

भारत टाइम्स सजग

7



वर्ष : 01 अंक : 118

सोनीपत, मंगलवार, 14 जुलाई

2026REG.NO. HRHIN/26/A1301

पेज : 8 मुख्य : 1 रुपया

भारत-जापान की 8वीं रक्षा नीति वार्ता टोक्यो में संपन्न, स्वतंत्र और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक को बढ़ावा देने पर सहमति

टोक्यो (एजेंसी)

भारत और जापान के बीच 8वीं रक्षा नीति वार्ता रविवार को टोक्यो में आयोजित की गई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने किया, जबकि जापानी पक्ष का नेतृत्व अंतरराष्ट्रीय मामलों के रक्षा उप-मंत्री कानो कोजी ने किया। दोनों देशों ने पिछली वार्ता के बाद से द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की और भारत-जापान विशेष सामरिक एवं वैश्विक सुरक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। वार्ता के दौरान क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर व्यापक चर्चा हुई। सेना-से-सेना आदान-प्रदान, संयुक्त सुध्यालयों के बीच सहयोग, समुद्री सहयोग, रक्षा अभ्यास , क्षमता निर्माण, रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी सहयोग सहित समुद्री तकनीक और संस्थागत संपर्कों को बढ़ाने जैसे द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के सभी पहलुओं पर विचार किया गया। दोनों पक्षों ने रक्षा सहयोग के निरंतर विस्तार का स्वागत किया और उच्च-स्तरीय नियमित आदान-प्रदान तथा संवाद तंत्र बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। इस वर्ष के अंत में प्रस्तावित 2 +2 मंत्री स्तरीय वार्ता सहित आगामी मंत्रिस्तरीय यात्राओं के संभावित परिणामों पर भी चर्चा हुई। वार्ता में रक्षा औद्योगिक सहयोग, तकनीकी नवाचार, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष और अन्य साझा रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर भारत-जापान के बीच बढ़ती सहमति पर संतोष व्यक्त किया और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में मिलकर काम करते



रहते पर सहमति जताई। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान पर आधारित स्वतंत्र, खुले और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। रक्षा सचिव ने रक्षा क्षेत्र में जापान के निरंतर सहयोग की सराहना की और भारत-जापान साझेदारी के तहत व्यावहारिक सहयोग मजबूत करने की आवश्यकता

पर जोर दिया। कानो कोजी ने प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में भारत के साथ रक्षा संबंधों को और विस्तार देने के लिए जापान की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले रक्षा सचिव ने जापान के रक्षा मंत्री शिंजीरो कोईजुमी से मुलाकात कर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का संदेश दिया। उन्होंने जापानी रक्षा मंत्री को जल्द से जल्द भारत यात्रा

का निमंत्रण भी दिया। टोक्यो में रक्षा सचिव ने जापान सेल्फ-डिफेंस फोर्स मेमोरियल स्टोन पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को श्रद्धांजलि दी। यह यात्रा इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के प्रति भारत और जापान की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रेलवे में नई क्रांति, 17 जुलाई को शुरु होगी पहली हाइड्रोजन ट्रेन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय रेलवे पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक तकनीक के मेल से एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रही है। आगामी 17



जुलाई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हरियाणा की धरती से देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल (ईंधन सेल) आधारित पैसंजर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह अत्याधुनिक ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच तय किए गए 89किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर दौड़ती नजर आएगी। कार्बन उत्सर्जन को पूरी तरह खत्म करने और देश में 'ग्रीन ट्रांसपोर्ट' को बढ़ावा देने के लिहाज से रेल मंत्रालय के इस कदम को एक युगांतकारी शुरुआत माना जा रहा है। इस विशेष ट्रेन के संचालन को लेकर रेलवे बोर्ड की तरफ से आधिकारिक समय सारणी (टाइम टेबल) को अंतिम रूप दे दिया गया है। नियमित सेवा शुरू होने के बाद ट्रेन संख्या 74010 प्रतिदिन सुबह 07:40 बजे जींद स्टेशन से अपनी यात्रा प्रारंभ करेगी और ठीक दो घंटे का सफर पूरा करके सुबह 09:40 बजे सोनीपत जंक्शन पहुंचेगी। वहीं, विपरीत दिशा से वापसी के सफर में ट्रेन संख्या 74009 सुबह 10:40 बजे सोनीपत से प्रस्थान करेगी और दोपहर 01:00 बजे वापस जींद स्टेशन पर अपनी यात्रा को विराम देगी।

प.बंगाल में लापता मछली पकड़ने वाली नाव काकद्वीप से मिली, 9 शव बरामद, 6 अभी भी लापता

कोलकाता (एजेंसी)

हिस्सा मछली पकड़ने के लिए गहरे समुद्र में गए 15 मछुआरों के लापता होने के दस दिन बाद, पश्चिम बंगाल के काकद्वीप के पास



लापता नाव(ट्रॉलर) जय माँ काली का पता लगा लिया गया। नाव पानी में डूबी हुई हालत में मिली, खोज और बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। ट्रॉलर के अंदर से नौ शव बरामद किए गए हैं, बाकी 6 लापता मछुआरों का अभी भी पता नहीं है। 15 मछुआरे 2 जुलाई को पश्चिम बंगाल के शंकरपुर बीच से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकले थे, जिसके बाद वे लापता हो गए थे। काफी खोजबीन के बाद भी अब तक 6 लापता मछुआरों का कोई पता नहीं चला है। लापता मछुआरों में ओडिशा के बालासोर जिले के भोगराई ब्लॉक के उलुडा गांव के तीन लोग शामिल हैं।

एक ही परिवार के तीन भाई जयराम माझी, रवींद्र माझी और जगन्नाथ माझी लापता लोगों में शामिल हैं, वे 2 जुलाई को पश्चिम बंगाल के शंकरपुर बीच से दूसरे मछुआरों के साथ ट्रॉलर में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकले थे। 5 जुलाई के बाद ट्रॉलर से सारा कम्युनिकेशन टूट गया। इसके बाद से परिवारों में चिंता बढ़ने लगी। पत्नियां, बच्चे, माता-पिता और रिश्तेदार हर दिन पोर्ट पर आते थे, अपने प्रियजनों के लौटने का इंतजार करते थे, जैसे-जैसे दिन बीतते गए, चिंता और बढ़ती गई।

समुद्र में बचाव अभियान अभी भी जारी है। अधिकारी और स्थानीय प्रशासन दूसरे लापता मछुआरों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। शनिवार से, सुंदरबन टाइगर रिजर्व के डिप्टी फील्ड डायरेक्टर चित्रक भट्टाचार्य की लीडरशिप में बचाव अभियान तेज कर दिया गया। रामगंगा रेंज के जंगल के कर्मचारियों, सुंदरबन पुलिस और स्थानीय मछुआरों की मदद से, फ्लटे हुए ट्रॉलर को रविवार दोपहर को बाघेरचर इलाके में चुलकड़ी जंगल के पास ढूंढ लिया गया जो दक्षिण 24 परगना में बक्खाली के तट से लगभग 35 किलोमीटर दूर है। इसके बाद खराब ट्रॉलर को दूसरे ट्रॉलर की मदद से गोबरधनपुर, पत्थरप्रतिमा में सीतारामपुर घाट ले जाया गया। शाम ढलने के बाद घाट पर पहुंचते ही जहाज के अंदर की तलाशी शुरू कर दी गई। रात होने तक, इंजन के पास फंसे एक मछुआरे की लाश बरामद की गई। बाद में जब ट्रॉलर के अंदर जमा पानी को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ, तो एक के बाद एक और लाशें निकाली गईं। शुरू में पाँच लाशें मिलीं, उसके बाद चार और मिलीं, जिससे मरने वालों की कुल संख्या नौ हो गई।

अयोध्या मंदिर मुद्दे पर कांग्रेस का पीएम मोदी से सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)

अयोध्या में बन रहे भगवान श्री राम मंदिर के चंदा संग्रह को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र



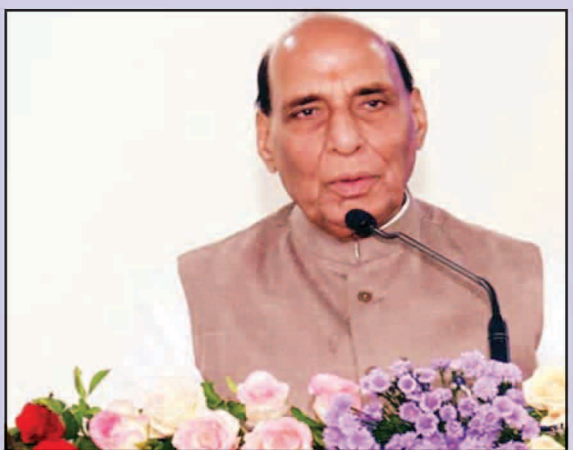
मोदी और बीजेपी-आरएसएस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इसे “चंदा चोरी और आस्था से धोखा” करार देते हुए प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। जयराम रमेश ने कहा कि “अयोध्या के भगवान श्री राम मंदिर में भाजपा-आरएसएस द्वारा सुनियोजित तरीके से की गई चंदा चोरी और जनता के

विश्वास के साथ हुए धोखे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रहस्यमयी चुप्पी आखिर क्या दर्शाती है वे चंदा चोरों की मदद पर क्यों उतारू हैं उन्होंने कहा कि देश जानना चाहता है कि भ्रष्टाचार पर ‘जीरो टॉलरेंस’ का दावा करने वाले प्रधानमंत्री इस गंभीर मुद्दे पर पिछले एक महीने से मौन क्यों हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जनता इस विश्वासघात के लिए प्रधानमंत्री से सीधा जवाब मांग रही है। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री से अपील की, “प्रधानमंत्री, मौन तोड़िए, जवाब दीजिए। कांग्रेस की मांग है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच हो और “असली गुनहगारों” को जेल की सलाखों के पीछे डाला जाए। कांग्रेस का आरोप है कि राम मंदिर निर्माण के नाम पर देशभर से श्रद्धालुओं से एकत्र किए गए चंदे में गड़बड़ी हुई है। पार्टी का कहना है कि यह सिर्फ आर्थिक अनियमितता का मामला नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा विषय है। इसलिए इस पर प्रधानमंत्री को सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण देना चाहिए। भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि राम मंदिर निर्माण पूरी पारदर्शिता के साथ हो रहा है और कांग्रेस जानबूझकर धार्मिक भावनाओं को भड़काकर राजनीति कर रही है। हालांकि कांग्रेस ने साफ किया है कि उनका विरोध मंदिर निर्माण से नहीं, बल्कि कथित वित्तीय अनियमितताओं और जवाबदेही तय करने से है। पार्टी नेताओं ने कहा कि जब तक प्रधानमंत्री इस पर अपना रुख स्पष्ट नहीं करते, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया ‘वाइट कोट सिंड्रोम का जिक्र’ बोले-व्यवहार में भी हो हीलिंग

लखनऊ (एजेंसी)

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह सो मवार को केजीएमयू लखनऊ के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में



डॉक्टरों से कहा कि आपके द्वारा दी गई दवा के साथ ही आपके व्यवहार में भी हीलिंग होनी चाहिए। कई बार मरीज डॉक्टर को देखकर घबरा जाते हैं। इसे वाइट कोट सिंड्रोम कहते हैं। उन्होंने दार्शनिक वाल्टेयर के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन की रक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है जि तना की जीवित्ता केवल पेशेंट केयर ही न रह जाए ये केयरिंग फार पेशेंट भी रहे। उन्होंने कहा कि केजीएमयू ने ऐसे दिग्गजों को देश को दिया है जो खुद में इंस्टीट्यूशन है। इस संस्थान से जुड़े लोगों ने सेवा, समर्पण का उदाहरण दिया है। डॉ. अवतार सिंह, डॉ. बलराम भार्गव और डॉ. नरेश त्रेहन जैसे डॉक्टर दिए हैं।

नागालैंड में असम राइफल्स के वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट, एक की मौत, 4 घायल



गुवाहाटी (एजेंसी)

नागालैंड के चुसुकेदिया जिले में घात लगाकर असम राइफल्स के वाहन को निशाना बनाया गया, जिसमें एक जवान शहीद हो गया, जबकि 4 घायल हुए हैं। घटना सुखोवी गांव के पास घटी है। यहां असम राइफल्स का प्रशिक्षण केंद्र है। आशंका है कि वाहन को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से उड़ाने की कोशिश की गई थी। घटना के समय जवान एक पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे। घायल जवानों की हालत भी गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक, उपद्रवियों ने काफिले पर एक

देसी बम फेंका था, जिससे विस्फोट हुआ। कुछ जगह आईईडी से हमले की बात सामने आई है। आशंका जताई कि इस हमले के पीछे नेशनल सोशलिस्ट कार्गिल ऑफ नागालैंड (एनएससीएन) और यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (यूएलएफए) जैसे विद्रोही संगठन हो सकते हैं। अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। दीमापुर पुलिस और असम राइफल्स हमलावरों का पता लगा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्वोत्तर क्षेत्र में एक सप्ताह से भी कम समय में असम राइफल्स पर यह दूसरा हमला है।

ईरान पर आरोप लगाना और हमलावरों को जिम्मेदार ना ठहराना गैर-जिम्मेदाराना, यू एन के बयान पर तेहरान का जवाब

तेहरान (एजेंसी) लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने का आरोप लगाया
ईरान ने इलाके में सैन्य बढ़ोतरी को लेकर संयुक्त राष्ट्र और संयुक्त राष्ट्र से कहा कि वह उन देशों का समर्थन



की तरफ से दिए गए बयान की बुराई की है। ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी बेस पर हाल के ईरानी हमलों को हमला नहीं, बल्कि कानूनी सेल्फ-डिफेंस बताया है। उसने 28 फरवरी से शुरू हुए अमेरिका-इजरायल हमलों का जिक्र किया, जिसमें पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई मारे गए थे। तेहरान ने अमेरिका पर खाड़ी देशों के इलाकों को

बंद करने और हमलावरों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत जिम्मेदार ठहराए। ईरान के विदेश मंत्री के प्रवक्ता इस्माइल वाघेई ने भी 1994 और 1999 के यूएन के पुराने निर्देशों के मुताबिक पर्सियन गल्फ शब्द का इस्तेमाल करने पर जोर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक किए गए पोस्ट में, वाघेई ने लिखा 'यह कोई सैन्य टकराव नहीं है। यह

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए खुलेआम और बिना उकसावे के हमले का सिलसिला है। ईरान हमला नहीं करता है। दक्षिणी फारस की खाड़ी में मौजूद अमेरिकी सैन्य बेस और एसेट्स पर ईरान के हमले, अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सेल्फ-डिफेंस के उसके अंदरूनी अधिकार का एक सही और कानूनी इस्तेमाल है।

उन्होंने कहा 'आपको उन देशों से कहना चाहिए कि वे तुरंत अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमले के लिए अपने इलाकों का इस्तेमाल लॉन्चपैड के तौर पर करने की इजाजत देना बंद कर दें। ईरान पर अपनी संप्रभुता बचाने का इल्जाम लगाना और हमलावरों को अंतरराष्ट्रीय का नून के उनके बड़े उल्लंघन के लिए जिम्मेदार न ठहराना, बिल्कुल भी सही नहीं है।

1994 और 1999 के यूएन निर्देशों का हवाला देते हुए ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा 'यह पर्सियन गल्फ है। कृपया यूएन निर्देशों (खासकर 18 अगस्त 1994 और 14 मई 1999) का पालन करें, जो सभी यूएन टेक्स्ट में 'पर्सियन गल्फ शब्द का पूरा इस्तेमाल जरूरी बनाते हैं। यह तब हुआ जब संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते और नए सैन्य टकराव पर गहरी चिंता जताई, जिसमें हॉर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर ईरानी हमले, ईरान पर अमेरिका के हमले और पड़ोसी देशों में टारगेट पर ईरान के हमले शामिल हैं। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दु जारिक ने एक बयान में कहा 'यूएन चीफ ने सभी पार्टियों से ज्यादा से ज्यादा संयम बरतने, आगे और ज्यादा तनाव बढ़ाने वाली कार्रवाई से बचने और तनाव कम करने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील की है। बयान में कहा गया 'ये सभी हमले बंद होने चाहिए। महासचिव ईरान और अमेरिका से अपील करते हैं कि वे तुरंत बातचीत फिर से शुरू करें और कूटनीति के जरिए बाकी मुद्दों को सुलझाएं।

इंडोनेशिया में दो ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत, शादी से लौट रहे थे मेहमान 5 घायल



जकार्ता (एजेंसी) इस वक्त की बड़ी खबर इंडोनेशिया के जावा द्वीप से सामने आ रही है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। ये सभी लोग एक शादी समारोह से लौट रहे थे, जिसमें यह बतौर मेहमान शामिल हुए थे। जानकारी के मुताबिक ये सभी लोग एक खुले पिकअप वैन में सफर कर रहे थे। इस दौरान एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उनकी ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक दूसरी लेन में चली गई, जहां अन्य ट्रक ने उसमें टक्कर मार दी। इस तरह से दोनों ट्रकों की टक्कर से 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक व्यस्त हाईवे पर शादी के लिए मेहमानों को ले जा रही एक पिकअप ट्रक दो ट्रकों के बीच कुचल गई।

इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय ट्रैफिक पुलिस प्रमुख उडांग शरीफ हिदायत ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुई। यह समूह पड़ोसी पारेन गांव में एक शादी में शामिल होकर घर लौट रहा था। ट्रैफिक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित एक खुली पिकअप ट्रक में यात्रा कर रहे थे। हाईवे पर यू-टर्न लेने के लिए जब गाड़ी धीमी हुई और मीडियन ओपनिंग के पास रुकी, तो उसी दिशा में आ रहे एक विंग-बॉक्स ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। हिदायत ने कहा, टक्कर से पिकअप दूसरी लेन में चली गई, जहां उसे एक और ट्रक ने टक्कर मार दी। इस ज़बरदस्त टक्कर से पिकअप ट्रक में सवार एक दर्जन से ज्यादा लोग हाईवे पर जा गिरे।

परमाणु कार्यक्रम नहीं छोड़ा तो ईरान पर प्रतिबंध जारी रहेगा: फ्रांस



पेरिस (एजेंसी) फ्रांस ने स्पष्ट किया है कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह छोड़ने की घोषणा नहीं करता, तब तक उस पर लगे प्रतिबंधों में कोई राहत नहीं दी जाएगी। सोमवार को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बारो ने फ्रांसीसी मीडिया से बातचीत में कहा कि ईरान द्वारा अपने परमाणु कार्यक्रम का त्याग कि ए बि ना उस पर लगे प्रतिबंध हटाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। पिछले महीने भी बारो ने कहा था कि फ्रांस ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर होने वाली वार्ताओं में सक्रिय भूमिका नि भाना चाहता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट कि या था कि अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते की शर्तों से संतुष्ट हुए बिना पेरिस संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध हटाने का समर्थन नहीं करेगा।

फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और उसके पास वीटो का अधिकार भी है। उधर , तेहरान में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल वा घेई ने भी डिया से कहा कि ईरान ने हर वार्ता में गंभीरता और पूरी जिम्मेदारी के साथ हिस्सा लिया है तथा हमेशा देश के हितों और जनता की चिंताओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा 'जब भी कोई समझौता हुआ, ईरान ने सद्भावना के साथ अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किया। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने कभी भी सबसे पहले अपने वादों का उल्लंघन नहीं किया। वाघेई ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका युद्ध समाप्त करने संबंधी अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन नहीं करता, तो ईरान भी अमेरिका के साथ हुए समझौता जापान (एमओयू) का पालन नहीं करेगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं के बाद अब कहरपणियों का सूफी दरगाह, उर्स और संगीत पर हमला



बाङ्का (एजेंसी) बांग्लादेश में कहरपंथी समूह के निशाने पर हिंदुओं के बाद अब सूफी हैं। यह पुष्टि ढाका स्थित इस्लामिक सूफी संगठन मकानः सेंटर फॉर सूफी हेरिटेज की एक रिपोर्ट में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस रिपोर्ट को मानें तो इस वर्ष 1 जनवरी से 30 जून के बीच बांग्लादेश भर में 6 मजारों को निशाना बनाया गया है। इसमें अप्रैल में कुशितया की पी र अब्दुर रहमान की मजार पर 300 लोगों की भीड़ का हमला और आगजनी शामिल है। इससे एक महीने पहले, मार्च में 100 लोगों ने सिलहट में हजरत इब्राहिम शाह के मजार पर उर्स उत्सव के लिए इक_ा श्रद्धालुओं पर हमला कि या। रि पोर्ट के मुताबिक, हमला करने वालों का विरोध उर्स में बजाए जा रहे संगीत से था। ढाका के मीरपुर में स्थित शाह अली बगदादी मजार, कुशितया की हजरत शाह दरगाह शरीफ, बरिशाल की हबीब शाह दरबार शरीफ और छतग्राम की हजरत लाल मिया शाह मजार को भी निशाने पर लिया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रवृत्ति 2026 में शुरू नहीं हुई। मोहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के समय 97 मजारों को निशाना बनाया गया, जिसमें 3 लोग मारे गए और 468 लोग घायल हुए थे।

कांगो में इबोला का प्रकोप बढ़ा: पांच प्रांतों के 1,873 संक्रमित, 672 की मौत



किंशासा (एजेंसी) डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। देश के पांच प्रांतों में अब तक संक्रमण के 1,873 मामले सामने आए हैं, जबकि 672 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी देश के स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक रिपोर्ट के हवाले से दी। सिंहुआ ने बताया कि रविवार को जारी रिपोर्ट में शुक्रवार तक के आंकड़े शामिल हैं। इसके अनुसार इटुरी, नॉर्थ किवू, साउथ किवू, हाउत-उएले और शोपो (श्वोपो) प्रांत में इबोला का प्रकोप ज्यादा है। हाउत-उएले और शोपो को पहली बार राष्ट्रीय स्थिति रिपोर्ट में शामिल किया गया है। जांच में सामने आया है कि इन दोनों प्रांतों में मिले संक्रमण के मामले इटुरी प्रांत में मौजूद प्रकोप के केंद्र से लोगों की आवाजाही और संपर्क के जरिए जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में 763 मरीज

आइसोलेशन में हैं या अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। उपचार केंद्रों में बेड की कुल उपलब्ध क्षमता का 95.1 प्रतिशत हिस्सा भरा हुआ है। अब तक 306 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि 299 संदिग्ध मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 91 लोगों की मौत हुई है। बूंडिबुयो इबोला वायरस से फैले इस प्रकोप की आधिकारिक घोषणा 15 मई को की गई थी। इससे पहले शनिवार को अफ्रीका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने बताया कि डीआरसी में इबोला नियंत्रण अभियान में सहयोग कर रहे एक अमेरिकी मानवीय सहायता कर्मी के संक्रमित पाए जाने से स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। अफ्रीका सीडीसी ने बयान में कहा कि स्वास्थ्य कर्मी, मानवीय सहायता कर्मी, स्वयंसेवक और अन्य परिचालन कर्मचारी बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों

ब्रिटेन का बड़ा फैसला: आईआरजीसी समेत तीन संगठनों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित करने की तैयारी

लंदन (एजेंसी) ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को कहा कि वह ईरान की इस्लामिक रिबोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) और दो अन्य संगठनों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। बाकी दो संगठन हैं इस्लामिक मूवमेंट ऑफ कंपैनियंस ऑफ द राइट (आईएमसीआर) जिसे ब्रिटेन ईरान से जुड़ा मानता है, और वॉलंटियर कॉर्प्स , जिसकी देखरेख रूसी सेना की मुख्य खुफिया एजेंसी जीआरयू करती है। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की र_िपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा मंत्री एंजेलो इंगल के लिखित बयान के मुताबिक, अगर संसद से मंजूरी मिल जाती है तो ये तीनों संगठन नेशनल सिक्योरिटी (स्टेट थ्रेट्स) एक्ट 2026 के तहत नामित किए जाने वाले पहले संगठन होंगे। अगर यह फैसला लागू हो जाता है, तो इन संगठनों की ब्रिटेन से जुड़ी गतिविधियों में मदद करना, उनका समर्थन करना या जानबूझकर उनसे किसी तरह का आर्थिक या दूसरा फायदा लेना अपराध माना जाएगा। इनमें से कुछ मामलों में अधिकतम सजा उम्रकैद तक हो सकती है। ब्रिटेन पहले ही पूरे आईआरजीसी पर प्रतिबंध लगा चुका है। हालांकि, यह नई व्यवस्था टेररिज्म एक्ट 2000 के तहत किसी संगठन को आतंकवादी घोषित करने वाली व्यवस्था से अलग है। इस पर तीनों संगठनों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मई में ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने ईरान के राजदूत को तलब किया था। यह कदम उस



समय उठाया गया था जब तीन ईरानी नागरिकों पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट के तहत आरोप लगाए गए थे। ब्रिटेन ने कहा था कि इन तीनों ईरानी नागरिकों पर ऐसे काम करने का आरोप है, जिनसे किसी विदेशी खुफिया एजेंसी को फायदा पहुंच सकता था। इन तीनों वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया था। पुलिस के मुताबिक, इन पर आरोप है कि इन्होंने 14 अगस्त 2024 से 16 फरवरी 2025 के बीच ईरान की खुफिया एजेंसी की मदद करने वाली गतिविधियां कीं। सेपहवंद पर

एक अतिरिक्त आरोप भी है कि उन्होंने ब्रिटेन में किसी व्यक्ति के खिलाफ गंभीर हिंसा की योजना बनाने के इरादे से निगरानी , इलाके की जानकारी जुटाने और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचनाएं इकट्ठा कीं। इसके जवाब में ईरान के विदेश मंत्रालय ने रविवार को ब्रिटेन के कार्यवाहक राजदूत चार्ज डी'अफेयर्स को तलब किया। ईरान ने ब्रिटेन में कई ईरानी नागरिकों की गिरफ्तारी को 'संदेहास्पद और बेवुनियाद बताया। ईरान ने ब्रिटेन के आरोपों को 'झूठा और लगाए गए मामलों को हकीकत से परे बताया।

बैंकाक के एक बार में लगी भीषण आग, 27 की मौत

बैंकॉक (एजेंसी) थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में सोमवार तड़के एक बार में भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर 27 लोगों की जान गई है। हादसा राजधानी के चाटुचक जिले में स्थित ना लाडप्राओ बार में हुआ है। हादसे में करीब 8 लोग घायल हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग बार के स्टेज के पास से शुरू हुई और तेजी से फैल गई , जिससे बिजली गुल हो गई और पूरा कमरा धुएं से भर गया था। घटना के बाद दमकल कर्मियों को सूचना दी गई , जिनके पहुंचने पर लोग चीखते-चिल्लाते बार से भागते दिख रहे थे। बैंकॉक के गवर्नर चाडचाट सिटीपंट ने बताया कि 63 लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिनमें से 22 की हालत गंभीर है। अधिकारी पीड़ितों की पहचान करने में जुटे हैं क्योंकि कई लोगों के पास पहचान पत्र नहीं था या वे बेहोश थे। मृतकों में कई पर्यटक भी शामिल हैं। दमकल कर्मियों को आग बुझाने में करीब आधा घंटा लगा। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटनास्थल पर पत्रकारों को बताया कि 27 मौत हुई हैं और हादसे के कारणों की जांच के आदेश दिए गए हैं। अनुतिन ने बताया कि बार में प्रस्तुति दे रहे एक संगीतकार ने उन्हें बताया कि बिजली



जाने से पहले उसने मंच के पास एक सर्किट ब्रेकर से धुआं निकलते देखा, फिर विस्फोट हुआ और घना धुआं तेजी से पूरे स्थान में फैल गया। कई मृतक बार के पीछे स्थित शौचालयों में पाए गए। थाईलैंड में पहले भी ऐसे भयानक हादसे हो चुके हैं। वर्ष 2022 में, देश के पूर्वी हिस्से में

एक संगीत पब में आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इससे भी पहले, 1 जनवरी, 2009 को थाईलैंड की राजधानी में सैंतिका नाइटक्लब में नए साल की पूर्व संध्या पर आयोजित एक समारोह में लगी आग में 66 लोग मारे गए और 200 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

सस्ती होगी जगुआर लैंड रोवर जैसी लक्जरी गाड़ियां ब्रिटेन से आने वाली कारों पर सिर्फ 10 प्रतिशत लगेगा आयात शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी) सरकार ने ब्रिटेन से कार और वाहन आयात होने पर रियायती शुल्क फायदों पर अधिसूचना जारी की। दरअसल, भारत-ब्रिटेन समग्र आर्थिक एवं व्यापार समझौता बुधवार से लागू होगा। इस समझौते में 15 साल की अवधि में शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में चरणबद्ध ढंग से बदलाव किए जाएंगे। साथ ही भारत के घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण पारिस्थितिकीतंत्र को भी सुरक्षित रखा जाएगा। समझौते के अनुसार भारत वाहनों पर आयात शुल्क को लगभग 110 प्रतिशत से घटाकर 10प्रतिशत कर देगा और यह कोटा दोनों पक्षों पर लागू होगा। उद्योग के सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से भारत के प्रीमियम वाहन बाजार में तुरंत कोई रुकावट आने की उम्मीद नहीं है जबकि देश का तेजी से बढ़ता घरेलू इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण पारिस्थितिकीतंत्र सुरक्षित रहेगा। यह भी माना जा रहा है कि लक्जरी खंड में धीरे-धीरे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। जैसे-जैसे शुरुआती पांच वर्षों में शुल्क घटकर 10 प्रतिशत के स्तर पर आएगा। इससे ब्रिटेन से आयात की जाने वाली गाड़ियां मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी जैसी कंपनियों के स्थानीय स्तर पर असेंबल किए गए लक्जरी मॉडलों के मुकाबले ज्यादा प्रतिस्पर्धी हो सकती हैं। इससे जगुआर लैंड रोवर जैसी कंपनियों को फायदा होने की उम्मीद है। ऑटोमोटिव इंटेलिजेंस फर्म जेएटीओ डायनामिक्स



के प्रेसिडेंट रवि भाटिया के अनुसार इस समझौते का सबसे अहम परिणाम भारत के निर्यात के लिए बना मौका है। भारत में बनी इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ियां (जिनकी कीमत 20,000 से 80,000 ब्रिटिश पाउंड के बीच है) ब्रिटेन के मार्केट में छठे साल से बिना शुल्क के बेची जा सकेंगी। निर्यात कोटा धीरे-धीरे बढ़कर

15वें साल तक 88,000 गाड़ियों तक पहुंच जाएगा। इससे वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी मजबूत करने की कोशिश कर रहे भारतीय विनिर्माताओं के लिए दीर्घावधि में अहम मौका बनेगा। भाटिया ने कहा, 'पहले साल में 20,000 गाड़ियों का शुरुआती कोटा भारत के सालाना यात्री वाहन मार्केट का 0.5 प्रतिशत से भी कम है। हालांकि इसका तुरंत

वाणिज्यिक असर सीमित है, लेकिन यह समझौता एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के तहत मार्केट तक नपे-तुले तरीके से पहुंच बनाने की अहम मिसाल कायम करता है। इसमें व्यापार उदारीकरण और घरेलू उद्योग के बचाव के बीच संतुलन बनाया गया है। समझौते के तहत शुल्क में कटीती एक बार में नहीं बल्कि चरणों में की जा एगी। बड़े इंजन वाली गाड़ियों के लिए झूटी पहले साल में 110 प्रतिशत से घटकर 30 प्रतिशत हो जाएगी और पांचवें साल तक 10 प्रतिशत पर आ जाएगी। मिड-रेंज गाड़ियों के लिए झूटी 66 प्रतिशत से घटकर 50 प्रतिशत हो जाएगी और इसी अवधि में घटकर 10 प्रतिशत पर आ जाएगी। उन्होंने कहा, 'आयात कोटा शुरू में 20,000 गाड़ियों से बढ़कर पांचवें साल तक 37,000 हो जाएगा और 15 सालों में कुल 3,78,000 गाड़ियों तक पहुंच मिलेगी। अहम बात यह है कि खास बरीयता दरें (प्रेफरेंशियल टैरिफ) सिर्फ उन्हीं गाड़ियों पर लागू होंगी जो 'रूल्स ऑफ ओरिजिन' उत्पत्ति के नियम (को पूरा करती हैं और ब्रिटेन में बनी हैं। इसमें दूसरे देशों में बने मॉडल शामिल नहीं होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने ब्रिटेन से आयात किए जाने वाले वाहनों के शुल्क दर कोटा की निगरानी करने की प्रक्रिया की सार्वजनिक सूचना जारी की है। इस अधिसूचना में सालाना कोटा की संख्या, लागू होने वाली इन-कोटा कस्टम झूटी दरें और कोटा प्रमाणपत्र पाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई है।

उपभोक्ता शिकायतों के बाद FSSAI ने स्विगी इंस्टामार्ट को जारी किए 9 नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने उपभोक्ताओं की शिकायतों के आधार पर क्लिक कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी इंस्टामार्ट को नौ नोटिस जारी किए हैं। खाद्य नियामक ने शनिवार को बताया कि इन शिकायतों में 'एक्सपायर्ड', सड़े-गले,

खराब , दूषित और मानव उपभोग के लिए असुरक्षित खाद्य उत्पादों की सप्लाई किए जाने के आरोप लगाए गए हैं। एफएसएसआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि जांच के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इनमें एक प्रमुख मामला यह था कि अंडों को ऐसे ब्रांड नाम से बेचा जा रहा था, जो कंपनी के मौजूदा एफएसएसआई लाइसेंस में स्वीकृत उत्पाद श्रेणी के अंतर्गत शामिल नहीं था। प्राधिकरण ने फूड बिजनेस ऑपरेटर (एफबीओ) को निर्देश दिया है कि वैध लाइसेंस मिलने तक ऐसे उत्पादों की बिक्री तुरंत बंद की जाए और जरूरत पड़ने पर लाइसेंस में संशोधन के लिए आवेदन किया जाए। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि 'हेल्थिफाई 100 प्रतिशत व्हे प्रोटीन 1 किलो' और 'नोड्स होमस्टाइल मद्रास मिक्सचर बि द पीनट्स' जैसे उत्पादों की एक्सपायरी डेट खत्म होने के बाद भी ग्राहकों को सप्लाई किए जाने की शिकायत मिली है।

भारतीय बाजार पर गोल्डमैन सैश का भरोसा बढ़ा निफ्टी के 26,500 तक जाने का अनुमान



मुंबई (एजेंसी) भारत में विदेशी निवेशकों की बिकवाली का दौर करीब समाप्त हो गया है और विदेशी निवेशकों की कम हिस्सेदारी और मजबूत घरेलू आधार के चलते भारतीय इक्विटी बाजार के लिए धारणा सकारात्मक बनी हुई है। यह जानकारी गोल्डमैन सैश के विश्लेषकों ने जुलाई में अपनी इंडिया स्ट्रैटेजी नोट में दी। गोल्डमैन सैक्स में एशिया मैक्रो रिसर्च के को-हेड और एशिया-पैसिफिक इक्विटी स्ट्रैटेजिस्ट टिमोथी मो ने अमोरिता गोयल और सुनील कौल के साथ लिखे नोट में कहा है कि निफ्टी जून 2027 तक बढ़कर 26,500 के स्तर पर जा सकता है, जो कि मौजूदा स्तरों से 10 प्रतिशत अधिक है। नोट में कहा गया कि जुलाई का आउटलुक मई 2026 के उनके रुख से बिल्कुल अलग है, जब उन्हें उत्तर एशिया के दूसरे देशों के मुकाबले भारतीय इक्विटी में रिस्क-रिवॉर्ड का समीकरण 'कम आकर्षक' लगा था। इसके अलावा, उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि विदेशी निवेशक जल्द ही भारतीय बाजार में लौटेंगे , भले ही तेल की कीमतें कम हो जाएं। मो, गोयल और कौल ने अपने नोट में लिखा है कि 2026 की पहली छमाही में वैश्विक निवेशकों ने भारत को फंडिंग मार्केट के रूप में उपयोग किया।

इस दौरान केवल 3.5 महीने में ही विदेशी निवेशकों ने 30 अरब डॉलर से ज्यादा की भारतीय इक्विटी में बिकवाली की। हालांकि, जून के दूसरे पखवाड़े से विदेशी निवेशक फिर से शुद्ध खरीदार हो गए हैं और इस दौरान उन्होंने करीब दो अरब डॉलर का निवेश किया है। नोट में आगे कहा गया कि भारतीय इक्विटी में ग्लोबल फंड्स की 'अंडरवेट' स्थिति को देखते हुए, उनके पास अपने स्थिति को संतुलित करने का काफी अच्छा मौका है। हालांकि, लगातार आय के डाउनग्रेड का दौर और दूसरे बाजारों की तुलना में ग्रोथ-वैल्यूएशन का कम आकर्षक जोड़ निवेशकों के लिए सुख्य चिंता का विषय बना रहेगा, लेकिन घरेलू रिकवरी के बारे में बेहतर जानकारी निवेशकों को उम्मीद के मुताबिक रिकवरी को पहले से ही प्राइस-इन करने के लिए प्रेरित करेगी। एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय इक्विटी से 1.28 लाख करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। जून में उन्होंने 49,340 करोड़ रुपए की बिकवाली की, जबकि जुलाई में एफआईआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 15,157 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया।

देश की खुदरा महंगाई दर जून में बढ़कर 4.38% हुई, 17 महीनों में पहली बार 4% के लक्ष्य से ऊपर निकली मुद्रास्फीति

नई दिल्ली (एजेंसी) जून में भारत की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38% हो गई, जो मई में 3.93 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने सोमवार को महंगाई के आंकड़े जारी किए। खाने-पीने की चीजों के साथ पेट्रोल, डीजल, सीएनजी की ऊंची कीमतों , पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव और मौनसून से जुड़ी चिंताओं ने कीमतों पर दबाव बनाया, जिससे खुदरा महंगाई बढ़ गई। भारतीय रिजर्व बैंक के पास है महंगाई को काबू में रखने की जिम्मेदारी इसके साथ ही, 17 महीनों में ऐसा पहली बार हुआ है जब देश की खुदरा महंगाई दर, भारतीय रिजर्व बैंक को मिले 4% के लक्ष्य से ऊपर निकल गई है। भारतीय रिजर्व बैंक को 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 तक की 5 साल की अवधि के लिए खुदरा महंगाई दर को 4% पर बनाए रखने का काम सौंपा गया है। इसके साथ ही, महंगाई दर को 2% से लेकर 6% तक की स्वीकार्य सीमा के भीतर रहने की अनुमति भी दी गई है। जून में खाद्य महंगाई दर 5.32% रही , जबकि मई में ये 4.78% थी। ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 5.45% दर्ज की गई, जबकि शहरी इलाकों में ये 5.09% रही। मई में आलू की कीमतों में 20.34% की कमीवट के मुकाबले, जून में 23.74% की सिराबट जबकि , टमाटर की कीमतें मई में सालाना आधार पर 48.43% बढ़ने के बाद 31.92%



कम गई गई। जून में खाद्य महंगाई बढ़ने का एक कारण कमजोर मौनसून भी रहा। अर्थशास्त्रियों ने चेतावनी दी है कि अगर अल नीनो आने वाले महीनों में फसल उत्पादन पर बुरा असर डालता है, तो कीमतों का दबाव और बढ़ सकता है। पेट्रोल-डीजल महंगा होने से ट्रांसपोर्ट महंगाई दर में भी बढ़ोतरी जून में ट्रांसपोर्ट महंगाई दर बढ़कर 4.31%

हो गई। पश्चिम एशिया में तनाव की वजह से सप्लाई में आई बाधाओं ने कच्चे तेल की कीमत पर गहरा असर डाला, जिसके बाद सरकारी तेल कंपनियों ने मई के दौरान पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 4 बार बढ़ोतरी की। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी होने से महंगाई पर और भी ज्यादा दबाव बढ़ गया। सामान के ट्रांसपोर्टेशन से जुड़ी सेवाओं में महंगाई दर 7.70% रही।

दिल्ली ईवी नीति पर क्रिसिल की चिंता: दोपहिया वाहनों में इलेक्ट्रिक बदलाव सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी) नई दिल्ली, 12 जुलाई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रस्तावित नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति को लेकर क्रिसिल रेटिंस ने दोपहिया वाहन श्रेणी को सबसे बड़ी चुनौती बताया है। सूत्रों का कहना है कि नीति के अनुसार अप्रैल 2028 से पारंपरिक ईंधन

इंजन वाले नए दोपहिया वाहनों के पंजीकरण पर रोक लगाने का प्रस्ताव है, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में इस श्रेणी में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी केवल 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऐसे में उद्योग को बहुत कम समय में बड़े बदलाव के लिए तैयार होना होगा। क्रिसिल रेटिंस की निदेशक पूनम उपाध्याय ने कहा कि अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण की व्यवस्था वाहन निर्माताओं को इलेक्ट्रिक उत्पादों , उत्पादन क्षमता और वितरण नेटवर्क में निवेश बढ़ाने का स्पष्ट संकेत देती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि निकट भविष्य में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले वाहन पूरी तरह समाप्त नहीं होंगे और उनकी बाजार में प्रासंगिकता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के दोपहिया वाहन बाजार की भविष्य की वृद्धि काफी हद तक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उद्योग की तैयारी पर निर्भर करेगी। विभिन्न वाहन श्रेणियों पर इस नीति का प्रभाव अलग-अलग होगा। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल दोपहिया पंजीकरण लगभग 25 प्रतिशत बढ़कर 5.7 लाख इकाई तक पहुंचने का अनुमान है, लेकिन इनमें इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी केवल 7.3 प्रतिशत रहेगी। प्रस्तावित नीति के अनुसार अप्रैल 2028 से सभी नए दोपहिया वाहनों का पंजीकरण केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के रूप में किया जाएगा। इसके लिए पहले वर्ष प्रति वाहन 30 हजार रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिसे अगले दो वर्षों में चरणबद्ध तरीके से कम किया जाएगा।

कमजोर मानसून के कारण 16% घटा खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा, कृषी मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े



नई दिल्ली (एजेंसी) कमजोर मानसून के कारण मौजूदा सत्र में अब तक धान जैसी खरीफ फसलों की बुवाई का रकबा 16 प्रतिशत घटकर 531.25 लाख हेक्टेयर रह गया है। कृषि मंत्रालय द्वारा जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, 10 जुलाई तक कुल खरीफ फसलों की बुवाई 531.25 लाख हेक्टेयर में की गई है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में ये आंकड़ा 632.69 लाख हेक्टेयर था। खरीफ (गर्मी) की फसलों की बुवाई आमतौर पर जून में दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत के साथ होती है। हालांकि, इस साल अल-नीनो के असर से कमजोर मानसून के कारण बुवाई में देरी हुई है और भारत में होने वाली ज्यादातर खेती आज भी मानसूनी बारिश पर निर्भर रहती है। भारत में अल नीनो का सबसे ज्यादा प्रभाव 9 से 10 राज्यों में देखने को मिलता है। इनमें महाराष्ट्र का मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र, गुजरात के तटीय क्षेत्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ , उत्तरी कर्नाटक, उत्तर प्रदेश का पूर्वी हिस्सा और बुंदेलखंड शामिल है। धान की बुवाई का रकबा 8.63 प्रतिशत घटा धान की बुवाई का रकबा 8.63 प्रतिशत घटकर 114.69 लाख हेक्टेयर रह गया, जबकि एक साल पहले ये 125.53 लाख हेक्टेयर था। दलहनों की बुवाई का रकबा पहले के 73.85 लाख हेक्टेयर से

23.31 प्रतिशत घटकर 56.63 लाख हेक्टेयर रह गया। दलहनों में, अरहर की बुवाई का रकबा एक साल पहले के 28.03 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 19.54 लाख हेक्टेयर, उड़द का रकबा 9.34 लाख हेक्टेयर रह गया, जो पिछले साल 13.29 लाख हेक्टेयर था। इसकी तरह, मूंग की बुवाई का रकबा 24.08 लाख हेक्टेयर से घटकर 21.52 लाख हेक्टेयर रह गया। मोटी अनाज की बुवाई में भी 22.47 प्रतिशत की बड़ी गिरावट मोटे अनाज की बात करें तो इसका रकबा भी पिछले साल के 127.30 लाख हेक्टेयर की तुलना में 22.47 प्रतिशत घटकर 98.69 लाख हेक्टेयर रह गया। तिलहन की बुवाई का रकबा पिछले साल के 149.18 लाख हेक्टेयर के मुकाबले 21 प्रतिशत घटकर 117.83 लाख हेक्टेयर रह गया। तिलहन में, सोयाबीन की बुवाई का रकबा एक साल पहले के 107.72 लाख हेक्टेयर से 16 प्रतिशत घटकर 90.51 लाख हेक्टेयर रह गया। गन्ने की खेती का रकबा 56.72 लाख हेक्टेयर के मुकाबले थोड़ा बढ़कर 57.58 लाख हेक्टेयर हो गया , जबकि जूट या मेस्टा का रकबा पहले के 6.16 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 6.28 लाख हेक्टेयर हो गया। नकदी फसलों में, कपास की बुवाई में गिरावट आई है।

दिल्ली में 8% तक महंगी हो सकती है बिजली DERC ने ईंधन, बिजली अधिभार में अतिरिक्त बढ़ोतरी की दी अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (DERC) ने बिजली वितरण कंपनियों को दूसरे महीने भी ग्राहकों पर 8 प्रतिशत तक का 'अतिरिक्त' ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार लगाने की मंजूरी दी है। इससे महीने का बिजली बिल और बढ़ सकता है। अधिकारियों ने सोमवार को ये जानकारी दी। पिछले महीने, बिजली नियामक डीईआरसी ने बिजली वितरण कंपनियों (DISCOMs) को अप्रैल के लिए अतिरिक्त ईंधन और बिजली खरीद समायोजन अधिभार (FPPAS) लगाने की मंजूरी दी थी। बिजली वितरण कंपनियों ने डीईआरसी से की थी राहत की मांग ये दर बीएसईएस राजधानी के लिए 7.94 प्रतिशत , बीएसईएस यमुना के लिए 7.43 प्रतिशत और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के लिए 6 प्रतिशत थी। इन तीनों बिजली वितरण कंपनियों ने जून और जुलाई के लिए भी डीईआरसी से राहत की मांग की थी। उनका कहना था कि मई महीने के लिए बिजली खरीद की वास्तविक लागत, मौजूदा मूल बिजली खरीद लागत की तुलना में काफी बढ़ गई है। डीईआरसी के नियमों के अनुसार, एक विल चक्र में वसूले जाने वाले FPPAS पर 10 प्रतिशत की सीमा है। इसके साथ ही, एफपीपीएस हर महीने डीईआरसी तय करता है।



कैसे होती है FPPAS की गणना FPPAS की गणना ग्राहक के फिक्स्ड यानी स्थिर शुल्क और ऊर्जा शुल्क के कुल योग के प्रतिशत के रूप में की जाती है। डीईआरसी ने 10 जुलाई को जारी एक आदेश में कहा था कि मई के लिए एफपीपीएस की गणना बीएसईएस राजधानी के लिए 25 प्रतिशत , बीएसईएस यमुना के लिए 19.91 प्रतिशत और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड के लिए 12.21 प्रतिशत की गई है। आदेश के अनुसार, डीईआरसी ने वितरण कंपनियों को 10 प्रतिशत की तय सीमा वाले

एफपीपीएस के अलावा मई के लिए अतिरिक्त राशि वसूलने की मंजूरी दी है। इससे उन्हें बिजली खरीदने की लागत में हुई 'बढ़ोतरी' का कम से कम उपयुक्त हिस्सा वसूलने में आ रही दिक्कतों को दूर करने में मदद मिलेगी। किस कंपनी को कितना अतिरिक्त एफपीपीएस वसूलने की मिली मंजूरी अतिरिक्त एफपीपीएस की मंजूरी बीएसईएस राजधानी के लिए 7.94 प्रतिशत , बीएसईएस यमुना के लिए 7.43 प्रतिशत और टाटा पावर के लिए 2.21 प्रतिशत की दर से दी गई है।

संपादकीय

ब्रिक्स में भारत का योगदान

भारत ने 1जनवरी 2026को लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण की थीम के तहत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। महिलाओं से जुड़े मामलों में हमारा योगदान बेहद खास रहा है। हम सिफ़् कोई नारा या तारीफ़ के लिए सफल कहानियों का संग्रह पेश नहीं कर रहे हैं। हम एक ऐसा कामकाजी ढांचा लेकर आए हैं, जो करोड़ों महिलाओं तक पहुँचा है। यह ढांचा सिर्फ़ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से शुरू होकर जहाँ भी जाता है, वहाँ आगे और विकसित होने के लिए तैयार रहता है।यही भारत की खास बात है।
माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से ज़्यादा समय से भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर अपनाया है और इस काम को इतने बड़े पैमाने पर किया है, जिसकी बराबरी बेहद कम देश कर सकते हैं। 2023में अपनी १20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक सोच को महिलाओं के विकास से बदलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर मोड़ने में मदद की। यह महज़ शब्दों का बदलाव नहीं था, बल्कि सोच का भी बदलाव था। महिलाओं को सिफ़् लाभार्थी के तौर पर देखने के बजाय, उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में देखना। कोव्त्रि में हम इसी बदलाव से जुड़ा सवाल उठा रहे हैं: एक बार वादा करने के बाद, उसे बड़े पैमाने पर, आखि़री गाँव की आखि़री महिला तक कैसे पहुँचाया जाए भारत ने पिछले दस सालों में सिफ़् सैद्धांतिक तौर पर नहीं, बल्कि असल में इस सवाल का जवाब दिया है।

भारत के लिए यह सोच नई नहीं, बल्कि बहुत पुरानी है। विकास की भाषा के आने से काफी पहले ही, हमारी संस्कृति ने नारी को शक्ति , ज्ञान और समृद्धि का स्रोत माना था। ये तीनों ही वे आधार हैं, जिन पर कोई भी समाज तरक्की करता है और उन्हें देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता रहा है। दैवीय शक्ति को ही शक्ति कहा जा ता है और संस्कृत के एक प्रसिद्ध श्लोक के अनुसार, जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवता भी प्रसन्न होते हैं। यह सम्मान सिफ़् दिखावे के लिए नहीं था: लोपासुद्रा और घोषा जैसी महिला ऋषियों ने ऋग्वेद के मंत्रों की रचना की और गार्गी और मैत्रेयी जैसी दार्शनिकों ने उपनिषदों के प्रसिद्ध वा द विवादों में अपनी बात मजबूती से रखी। इसलिए, भारत के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास, किसी और से लिया हुआ विचार नहीं है, बल्कि एक प्राचीन विचार का ही आधुनिक रूप है।

शुरुआत फ़ैसला लेने की प्रक्रिया से करते हैं। भारत की पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग आधी महिलाएँ हैं; जो दुनिया में चुनी हुई महिला नेताओं के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इसके अलावा नारी शक्ति बंदन अधिनियम, 2०२३ संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का अंत सिफ़् प्रतिनिधित्व तक ही सी मित नहीं है, बल्कि यहां से इसकी शुरुआत होती है। ऐसा मॉडल, जो महिलाओं को सेवाएँ तो देता है, लेकिन उन सेवाओं को तय करने वाले फ़ैसलों में उन्हें शामिल नहीं करता, वह असल में महिलाओं के नेतृत्व वाला मॉडल नहीं है।भारत में सेवा पहुँचाने का ढाँचा तीन हिस्सों पर टिका है, जो एक साथ मिलकर ही काम करते हैं। पहला हिस्सा है पहुँच: डिजिटल जन अवसंरचना, फ़ायदों को सीधे महिलाओं के हाथों तक पहुँचाती है। आधार से जुड़े ट्रांसफर उन बिचिलियों की भूमिका को ख़त्म कर रहे हैं, जो पहले मदद पहुँचने से पहले ही उसे दूसरी तरफ़ मोड़ देते थे। प्रधानमंत्री मातृ बंदना योजना इस पहुँच का व्यावहारिक उदाहरण है। 4+26 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि सीधे लाभ के तौर पर 20,06० करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि सीधे उनके आधार से जुड़े खातों के ज़रिए मिली है। दूसरा हिस्सा है संस्थाएँ: डीएवाई-एसआरएलएम् के तहत, 1०.05करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण महिलाओं को 9०-9० लाख से ज़्यादा स्वयं-सहायता समूहों में संगठित किया गया है; जो दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाली सामुदायिक संस्थाओं का सबसे बड़ा नेटवर्क है। तीसरा हिस्सा है गतिशीलता—यानी मूल्य श्रृंखला में हमेशा सबसे नीचे बने रहने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ते का एक सोच-समझकर चुना गया रास्ता। भारत अब 65,९४९ एसएचजी महिलाओं को बिजनेस करिस्पोंडेंट एजेंट यानी बी सी सखी के तौर पर तैनात कर रहा है, जो दूर-दराज़ के इलाकों में जमा, क्रेडिट, धनराशि भेजने और पेंशन सेवाएँ पहुँचाती हैं।

हिंदी दैनिक

संपादकीय

राम मंदिर में ऐसी व्यवस्था हो, ताकि आइंदा कोई चंपत राय न बन सके

राम मंदिर के मामले में राष्ट्रीय स्व यंसेवक संघ का पहला बयान आया। संघ ने स्पष्ट शब्दों में कहा , कोई कितना भी बड़ा हो, उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए, ऐसा पाप करने वालों को सख्त से सख्त सजा दी जानी चाहिए। संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि भविष्य में कोई इस तरह का पाप न कर सके , इसके लिए सरकार और ट्रस्ट को एक्शन लेना चाहिए। सरकार्यवाह ने कहा”,पीडियों के संघर्ष और करोड़ों रामभक्तों के समर्पण, त्याग एवं बलिदान के कारण संपूर्ण हिन्दू समाज के लिए रामलला मंदिर श्रद्धा, आस्था और भक्ति का केन्द्र बना। मंदिर में रखे हुए दान पात्रों में जमा राशि की चोरी की दुर्भाग्यपूर्ण घटना से समूचे समाज और राम भक्तों की भावना एवं श्रद्धा को आघात पहुँचा है तथा इस घटना से हम सभी आहत हैं।

होसबाले ने कहा”,जौंच में जो भी दोषी पाए जाएँगे उन्हें कठोर दंड हो, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने हिन्दू समाज से अपील की कि वह "इस कठिन क्षण में आवश्यक धैर्य और संयम का परिचय दें तथा इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का लाभ उठाकर हिन्दू विरोधी, राष्ट्र विरोधी शक्तियों के हिंदू धर्म एवं समाज को बदनाम करने के पड़यंत्रों को विफल करे।"RSS, विश्व हिंदू परिषद और बाबा बागेश्वर जैसे साधु संत सब इस बात पर सहमत हैं कि राम मंदिर के दान पात्र से चोरी करने वालों ने महापाप किया है, उनमें से किसी को भी बख्शा ना जाए। कौन छोटा है, कौन बड़ा, इसकी परवाह न की जाए।

दूसरी बात जिस पर संघ, परिषद और संत समाज एकमत है, वो ये कि कुछ लोग इस मामले का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों के मंसूवों के बारे में हिंदू समाज को सावधान किया जाए। मुझे लगता है कि राम मंदिर पर राजनीति कोई पहली बार तो नहीं हो रही। इस पर सियासत तो होगी। कुछ लोग इसका फायदा भी उठाएंगे, पर इस पर ध्यान देने की बजाय RSS, VHP और संत समाज को इस बात पर फोकस करना चाहिए कि राम मंदिर में दान के हिसाब-किताब के लिए एक foolproof व्यवस्था बनायी जाय, इसमें

professionals की मदद ली जाए, व्यवस्था scientific और perfect हो ताकि भविष्य में किसी को ट्रस्ट पर या राम मंदिर पर कब्जा जमाने का मौका ना मिल सके।

एथेनॉल सही या गलत: सरकार सारी शंकाओं को दूर करे

क्या एथेनॉल युक्त पेट्रोल से गा ड्रियों का इंजन खराब हो रहा है क्या एथेनॉल से माइलेज में कमी आ रही है पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि एथेनॉल से माइलेज में कमी की बात पूरी तरह ठीक नहीं हैं क्योंकि माइलेज में कमी के बहुत से कारण होते हैं। इंजन की पावर और acceleration में भी इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। पुरी ने कहा कि सारी दुनिया fossil fuel से क्लीन फ्यूल की तरफ बढ़ रही है, ऐसे में पेट्रोल में एथेनॉल blending का फैसला अच्छा है। पुरी ने यहां तक कहा कि एथेनॉल युक्त पेट्रोल का इस्तेमाल अब रेसिंग कारों में भी हो रहा है, इससे उनका acceleration बढ़ता है। पेट्रोलियम मंत्री हों या भारत पेट्रोलियम कंपनी के अफसर, सभी ने ये माना कि एथेनॉल से माइलेज में कमी आती है, लेकिन कितनी कमी आती है, इसको लेकर सबके दावे अलग अलग हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि पेट्रोल की तुलना में एथेनॉल की energy density करीब 33परसेंट कम होती है। पावर जेनरेट करने के लिए एथेनॉल में ज़्यादा फ्यूल जलता है, इससे माइलेज कम हो जाता है। अगर आपकी गाडी 2024 से पहले की है तो फिर माइलेज कम मिलेगा 2024 के बाद की गाडियां E10और E20compliant हैं। इनके इंजन मैटेरियल और दूसरे पार्ट्स को इस तरह ट्यून किया गया है जिससे एथेनॉल से गाडी के इंजन को कोई नुकसान न पड़े।

ये सही है कि पेट्रोल पर निर्भरता कम करनी है इसमें हमारी काफी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। ये भी वैज्ञानिक तौर पर साबित किया गया है कि कि इथेनॉल इसका एक अच्छा विकल्प हो सकता है लेकिन असली बात तो तब पता चलती है जब विकल्प का इस्तेमाल होता है। अगर पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने से माइलेज में कमी आएगी, गाडियां खराब होने लगेंगी, पुरानी गाडियां बैठ जाएंगी तो लोग इथेनॉल युक्त पेट्रोल पर भरोसा

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय और अनिल मिश्रा की छुट्टी हो गई। चंपत राय की जगह कृष्ण मोहन को अभी ट्रस्ट के कार्यकारी महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब ट्रस्ट में कुल तीन पद खाली हैं। नए ट्रस्टियों के नामों पर विचार के लिए 22जुलाई को ट्रस्ट की फिर से बैठक होगी। राम मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था को देखने के लिए CEO की नियुक्ति होगी। CEO कौन होगा, इस पर मुर्खजी के लिए रिटायर्ड जज प्रमोद कोहली भी प्रकट हुए हैं।

उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में ऐसे बदलाव किए, जो राष्ट्रहित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप थे। शिक्षाविदों के एक सम्मेलन में डॉ. मुखर्जी ने कहा था,‘‘शिक्षण संस्थानों को केवल बाबू या कम वेतन वाले कर्मचारी तैयार करने की फैक्ट्री समझना गलत है। हमें विद्यार्थियों को ऐसे तैयार करना होगा ताकि वे नेतृत्व की भूमिका निभा सकें। हमारी स्वशासी संस्थाओं जै से म्पुनिसिपल कॉरपोरेशन्स, प्रांतीय और केंद्रीय विधायिकाओं में बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हो सकें। इसके साथ ही वे वित्त, व्यापार और उद्योग जैसे क्षेत्रों में भी अपनी प्रतिभा दिखा सकें।

ओ कलकत्ता विश्वविद्यालय में अपने नेतृत्व में उन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किए। इनमें लाइब्रेरी की सुविधाओं में सुधार, विज्ञान में रिसर्च को बढ़ावा देना, ऐतिहासिक वस्तुओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करना और कृषि से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू करना शामिल था। उन्होंने खेलकूद, टीचर्स ट्रेनिंग और स्टूडेंट वेलफेयर जैसे क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिया। विद्यार्थियों में अपनी यूनिवर्सिटी के प्रति गर्व की भावना विकसित हो, इसके लिए उन्होंने 24जनवरी को विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस मनाने की परंपरा शुरू की। उन्होंने गुरुदेव टैगोर से विश्वविद्यालय के लिए एक गीत लिखने का अनुरोध भी किया था।उनके जीवन के बाद के वर्षों में इस भावना का एक और उदाहरण तब देखने को मिला, जब उन्होंने भारतीय जनसंघ बनाने का निर्णय लिया। उस समय देश में हर तरफ कांग्रेस पार्टी का ही बोलबाला था। ऐसे में उन्होंने महसूस किया कि देश को एक ऐसे नए विकल्प की बहुत जरूरत है, जो भारत की प्रगति की बात भी करे और हमारी सांस्कृतिक जड़ों से भी जुड़ा रहे। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी का चुनाव

वस्तुओं की सूची तैयार है, कोई भी इन्हें आकर देख सकता है। स्वामी गोविंद देव गिरि ने कहा कि चढ़ावे की चोरी ट्रस्ट के सदस्यों की लापरवाही से हुई लेकिन इसके लिए स्टेट बैंक भी बराबर का जिम्मेदार है। इसलिए FIR भी बैंक को ही करानी चाहिए थी, लेकिन SBI अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहा।

गोविंद देव गिरि ने सोने की रामचरित मानस मीडिया को दिखाया, जिसे पूर्व केंद्रीय गृह सचिव एस. लक्ष्मीनारायणन ने रामलला को अर्पित की थी। इसे वापस गर्भगृह में रख दिया गया है। गोविन्द देव गिरि ने कहा कि चढ़ावे में चोरी की खबरों के बाद कुछ हिन्दू विरोधी लोग माहौल का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, हिन्दुओं को भड़काने की कोशिशें हो रही हैं, रामभक्तों को ऐसे देश विरोधी लोगों के बहकावे में नहीं आना चाहिए। चंपत राय अब कभी राम मंदिर ट्रस्ट में दिखाई नहीं देंगे क्योंकि उन्होंने पाप करने वालों पर भरोसा किया और सही सलाह देने वालों का अपमान

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी: राष्ट्र प्रथम का अमर संदेश

डॉ. मुखर्जी ने उस उद्देश्य के लिए अपना बलिदान दिया, जिस पर उन्हें पूरा विश्वास था। दशकों बाद, साल 2019में आर्टिकल 37० से गहरे अंधकार को मिटाने की अद्भुत शक्ति होती है। जनसंघ ने अपने सक्रिय काल में और उसके बाद भी बिल्कुल यही किया।डॉ.

श्यामा प्रसाद मुखर्जी का भारत के पहले उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्यकाल बेहद अहम रहा। उन्हें एक ऐसे राजनेता के रूप में याद किया जाता है, जिनका विजन बहुत विराट था। वे उद्योग को नए-नए आजाद हुए भारत के लोगों में सम्मान, अवसर और आत्मविश्वास का संचार करने का सशक्त माध्यम मानते थे। वे वेल्थ और वैल्यू क्रिएशन के महत्व को भली-भांति समझते थे। उन्होंने दामोदर वैली कॉरपोरेशन, सिंदरी उर्वरक संयंत्र और मजबूत औद्योगिक नीति जैसी ऐतिहासिक पहल की। इसके माध्यम से आधुनिक औद्योगिक भारत की नींव रखी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि भारत के पारंपरिक सामर्थ्य की कभी उपेक्षा न हो। वे हथकरघा, कुटीर उद्योग, कारीगरों और कपड़ा उद्योग से जुड़े श्रमिकों के हितों के भी प्रबल समर्थक थे। यहां मैं अपना एक निजी अनुभव भी साझा करना चाहता हूं। आत्मनिर्भर भारत के स्पष्ट विजन के साथ जिस सिंदरी संयंत्र की स्थापना के लिए डॉ. मुखर्जी ने अथक प्रयास किए थे, उसकी कई दशकों तक संतो में रहने वाले लोगों ने घोर उपेक्षा की। मुझे इस बात का सच पता है कि हमारी सरकार को उसके पुनरुद्धार का सौभाग्य मिला। उस कार्यक्रम में उपस्थित होना मेरे सार्वजनिक जीवन के सबसे विशेष और अविस्मरणीय क्षणों में से एक बन गया।भारत की प्राचीन परंपरा सदियों से संवाद और विचार-विमर्श का सम्मान करती आई है। डॉ. मुखर्जी इस लोकतांत्रिक भावना के सशक्त प्रतिनिधि थे। उन्होंने पंडित नेहरू के मंत्रिमंडल में शामिल होना इसलिए स्वीकार किया, क्योंकि वे मानते थे कि देश की आजादी के शुरुआती वर्षों में राष्ट्र निर्माण का दायित्व राजनीतिक मतभेदों से कहीं ऊपर है। उन्होंने पूरी निष्ठा और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाया। लेकिन जब उन्हें लगा कि राष्ट्रीय महत्व के कुछ प्रश्नों पर देशहित में अलग मार्ग अपनाना आवश्यक है, तो उन्होंने पूरी

सरकार ने शुक्रवार को कई ऐसे एप्स को तुरंत ब्लॉक करने के निर्देश दिए, जिनकी मदद से ई-रिक्षा की बैटरी को दूर से ही स्विच ऑफ किया जा रहा था। इस तरह की हजारों शिकायतें दिल्ली, मुंबई, भोपाल और उज्जैन जैसे कई शहरों से आई थी। सरकार ने जांच की और फिर एनड्रॉयड और IOS एप स्टोर से BAT-BMS, Lossigy और Epoch-i-ion जैसे एप्स को तुरंत हटाने के आदेश जारी कर दिए। इन सारे ऐप्स का इस्तेमाल बैटरी व्हीकल्स को रिमोट के जरिए बंद करने के लिए हो रहा था। खासतौर पर ई-रिक्षा चलाने वालों को निशाना बनाया जा रहा था।

कैसे करेंगे इसीलिए बड़ी-बड़ी बातें कहने की बजाय practical life में ये सबित करके दिखाना चाहिए कि इथेनॉल से गाडियों को कोई नुकसान नहीं होता। लोग सहयोग करने को तैयार हैं, लेकिन अगर fuel pump और engine के parts को नुकसान होगा तो फिर कोई इथेनॉल का इस्तेमाल क्यों करेगा ई-रिक्षा रोकने वाले apps पर बैन: एक सही कदम सरकार ने शुक्रवार को कई ऐसे एप्स को तुरंत ब्लॉक करने के निर्देश दिए, जिनकी मदद से ई-रिक्षा की बैटरी को दूर से ही स्विच ऑफ किया जा रहा था। इस तरह की हजारों शिकायतें दिल्ली, मुंबई, भोपाल और उज्जैन जैसे कई शहरों से आई थी। सरकार ने जांच की और फिर एनड्रॉयड और IOS एप स्टोर से BAT-BMS, Lossigy और Epoch-i-ion जैसे एप्स को तुरंत हटाने के आदेश जारी कर दिए। इन सारे ऐप्स का इस्तेमाल बैटरी व्हीकल्स को रिमोट के जरिए बंद करने के लिए हो रहा था। खासतौर पर ई-रिक्षा चलाने वालों को निशाना बनाया जा

रहा था।एक्सपर्ट्स बताते हैं कि Lithium बैटरी का कंट्रोल सिस्टम BMS यानि Battery Management System होता है। बैटरी की health, voltage, temperature की निगरानी करने के मकसद से कुछ App develop किए गए हैं। जब लोग गाडियां खरीदते हैं तो battery operated गाडियों के लिए कंपनियां इन Apps को promote करती हैं। लेकिन अगर battery को password से protect न किया जाए तो शरारत करने वाले इन Apps के जरिए battery को control कर लेते हैं।

अब सवाल है कि इस तरह की हरकतें क्यों की जाती हैं पुलिस ने बताया कि कुछ मैकेनिक ई-रिक्षे वालों से पैसा एंठने के लिए गड़बड़ी करते हैं और कुछ ई-रिक्षे वाले भी सवारियों छीनने के लिए दूसरे E-rickshaw को block करते हैं। असल में जिन Apps का गलत इस्तेमाल हो रहा है, उन्हीं को block किया गया है।

किया।चंपत राय ने लापरवाही की और राम मंदिर को अपनी रियासत की तरह चलाया। अहंकार ने उनकी आंखों पर पट्टी बांध दी थी, उनको न कुछ दिखाई देता था, न सुनाई देता था। चंपत राय की निष्ठा में कमी नहीं थी, नीयत भी साफ थी, लेकिन निगरानी और नीति में भारी चूक हुई। चंपत राय ने न RSS की सुनी, न Trust के सदस्यों को कोई भाव दिया। बार बार कहने के बाद भी CEO नियुक्त नहीं किया, अपने चमचों की फौज खड़ी कर दी और उनको दान पात्र लूटने दिया। जब लूटने वाले पकड़े गए, तो उन्हें पुलिस को सौंपने की बजाय उन पर दया दिखाने लगे। चंपत राय का यही व्यवहार उन्हें ले डूबा। अब राम मंदिर का प्रबंध करने के लिए professionals को नियुक्त किया जाना चाहिए, नज़र रखने के लिए एक vigilance department होना चाहिए ताकि भविष्य में कोई ऐसा पाप करने की हिम्मत न करे।(रजत शर्मा)

आज, 6जुलाई का दिन राष्ट्रवाद और नि:स्वार्थ सेवा के आदर्शों में विश्वास रखने वाले करोड़ों देशवासियों के लिे ए बहुत ही विशेष है। आज हम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 1२5वीं जन्म-जयंती मना रहे हैं। उनका जीवन साहस और मां भारती के प्रति अटूट समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व में विद्वता, जनसेवा और उच्च नैतिक मूल्यों का अद्भुत संगम था। आधुनिक भारत के कुछ ही नेताओं में इतने सारे गुण एक साथ देखने को मिलते हैं।

श्यामा प्रसाद जी का जन्म ऐसे परिवार में हुआ था, जहां उन्हें सुख-सुविधाओं से भरपूर जीवन आसानी से मिल सकता था। उनके पिता सर आशुतोष मुखर्जी की गिनती अपने समय के महान शिक्षाविदों में हो ती थी । ले किन तमाम सुविधाओं के बावजूद श्यामा प्रसाद जी ने त्याग और राष्ट्रसेवा का मार्ग चुना। उनका दृढ़ विश्वास था कि चाहे अंग्रेजी शासन का विरोध हो, सांप्रदायिकता से लड़ाई हो या मानवीय संकटों का सामना, वे अपने समय की इन चुनौतियों के सामने मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। इस सफर में उन्हें कई गहरे व्यक्तिगत दुख भी झेलने पड़े। पहले उन्होंने अपने छोटे बच्चे को खोया और बाद में पत्नी का भी निधन हो गया। लेकिन इन दुःखद परिस्थितियों में भी उन्होंने अपने हीसले को कमजोर नहीं पड़ते दिया। उनका संकल्प और सशक्त हुआ, राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और गहरा होता गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य भारत की एकता और अखंडता की रक्षा करना था। देश के विभाजन के समय उन्होंने पश्चिम बंगाल को भा रत का अभिन्न अंग बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कुछ वर्षों बाद इसी उद्देश्य से उन्होंने म्पू-कश्मीर के मुद्दे पर भी संघर्ष किया। जेल और नजरबंदी की उन्हें रास्ते से डिगा नहीं सकी। जब नजरबंदी के दौरान उनका निधन हुआ, तब वे उन अनगिनत लोगों से बहुत दूर थे, जिनके लिए वे जीवनभर संघर्ष करते रहे। इतिहास में कुछ ऐसे पल आते हैं, जब किसी व्यक्ति का सर्वोच्च बलिदान राजनीति से ऊपर उठकर देश की स्मृति का हिस्सा बन जाता है। डॉ. मुखर्जी का बलिदान भी ऐसा ही था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि

स्वामी, प्रकाशक राजेश त्यागी एवं मुद्रक अभिन्न कुमार द्वारा अभी प्रिंटिंग प्रेस 17, जी फ्लोर, नियर पीठ बाजार पुलिया जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड

2494०8 से मुद्रित कर 1030, सेक्टर 18, ब्लाक ई, ओमेक्स सिटी, सोनीपत, हरियाणा-1३1029 से प्रकाशित किया। संपादक: राजेश त्यागी ९250९93४९7

दूध से ज्यादा कैल्शियम से भरपूर है ये 5 भारतीय पदार्थ, डाइट में करें शामिल

दूध को कैल्शियम का एक अच्छा स्रोत माना जाता है, जो हड्डियों को मजबूती देने और सेहत के लिए फायदेमंद होता है। हालांकि, कुछ भारतीय खाद्य पदार्थ ऐसे हैं, जो दूध से भी अधिक कैल्शियम से भरपूर होते हैं। इन खाद्य पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल कर आप हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य लाभ भी प्राप्त कर सकते हैं। आइए ऐसे 5 खाद्य पदार्थों के बारे में जानते हैं।

बादाम

100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिलीग्राम कैल्शियम मौजूद होता है, जो दूध से भी ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके अलावा बादाम में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, पोटेशियम, और प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में होते हैं। यह न केवल हड्डियों को मजबूत करता है, बल्कि दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। इसे आप भिगाकर भी खा सकते हैं।

तिल

तिल के बीज भी कैल्शियम से भरपूर होते हैं, जिन्हें आपको अपने खान-पान का हिस्सा जरूर बनाना चाहिए। 100 ग्राम तिल में लगभग 1,573 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जो आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इसके अलावा इसमें फाइबर, आयरन , मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। तिल का सेवन हड्डियों को मजबूत करने के साथ-साथ दिल की सेहत को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है।

काजू

100 ग्राम काजू में लगभग 38 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे दूध के साथ मिलाकर खाने पर आपको काफी



ज्यादा मात्रा में यह पोषक तत्व मिल सकता है। काजू में फाइबर , आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसके अलावा काजू में सूजन को कम करने वाले गुण भी होते हैं।

खजूर

100 ग्राम खजूर में लगभग 64 मिलीग्राम कैल्शियम होता है, जिसे खाने से आपको एक नहीं कई फायदे मिल सकते हैं। खजूर में फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह दिल को स्वस्थ रखने, ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद

करता है। खजूर का सेवन सूजन को कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है। इसे आप रोजाना सुबह उठकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

मेथी के बीज

100 ग्राम मेथी के बीज में लगभग 66 मिलीग्राम कैल्शियम होता है। इसमें फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम, और प्रोटीन भी होते हैं। यह हड्डियों को मजबूत करने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में सहायक होता है। इसके अलावा मेथी के बीज सूजन को कम करने वाले गुणों से भी भरपूर होते हैं। इसे पानी में उबालकर पीने से या इससे लड्डू जैसे व्यंजन बनाने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं।

क्रीमी मैकरोनी सलाद बनाकर खाएं, ठंडा करके और भी ज्यादा टेस्टी लगेगा, नोट कर लें आसान रेसिपी



मैकरोनी और पास्ता बच्चों की पहली पसंद होती है। गर्म मैकरोनी तो आपने कई बार खाई होगी, लेकिन रेस्टोरेंट्स में सर्व की जा ने वाली ठंडी मैकरोनी आपने बुफे खाते वक्त ही ट्राई की होगी। इसे मैकरोनी सलाद कहते हैं। अगर आपके घर मेहमान आ रहे हैं या फिर आपको कभी कुछ ठंडा खाने का मन है तो इसे बनाकर खा सकते हैं। बच्चों को सज्जियां खिलाते का ये अच्छा ऑप्शन है। मैकरोनी सलाद खाने में जितना टेस्टी लगता है इसे बनाना उतना ही आसान है। इसका क्रीमी स्वाद ठंडा होने पर कई गुना बढ़ जाता है। अगर आपको भी कुछ हेलदी और टेस्टी खाने का मन है तो एक बार इस मैकरोनी सलाद को जरूर ट्राई करें। फटाफट नोट कर लें मैकरोनी सलाद की रेसिपी।

मैकरोनी सलाद रेसिपी

पहला स्टेप- सबसे पहले आपको सलाद का बेस तैयार करना है इसके लिए आपको 1 बड़ा बाउल लेना है और उसमें 4 कप भुनी हुई जुनिनी, ¾ कप

भुनी हुई गाजर, ½ कप खीरा और ¾ कप उबली हुई मैकरोनी डालें। दूसरा स्टेप- अब एक ग्राइंडर जार में 50 ग्राम लो फैट वाला प्रोटीन पनीर डालें। इसमें पिज्जा पास्ता सॉस, भुनी हुई छिली हुई लाल शिमला मिर्च और नमक डालें। अब इसे तब तक ब्लेंड करें जब तक यह चिकना और क्रीमी न हो जाए। तीसरा स्टेप- अब आपको लास्ट ड्रेसिंग करने की जरूरत है। इसके लिए अजवायन, काली मिर्च, थोड़ा सा टोमेट सॉस और थोड़ा शहद मिला दें। अब इसमें रेड जिनी सॉस या जिनी ऑयल डाल दें। चौथा स्टेप- सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं ताकि सज्जियां और मैकरोनी पूरे में अच्छी तरह से मिक्स हो जाएं और सॉस क्रीम की कोटिंग हो जाए। अब इसे सर्व करने से पहले थोड़ी देर के लिए फ्रिज में रख दें। तैयार है ठंडा-ठंडा मैकरोनी सलाद। मलाईदार स्वाद के लिए इसमें ऊपर से थोड़ी फ्रेश क्रीम भी डाल सकते हैं। इसमें सज्जियां आप अपनी पसंद के हिसाब से भी डाल सकते हैं।

बार-बार बनता है किडनी स्टोन डाक्टर से जानें बचाव के आसान तरीके

किडनी स्टोन में पेट में दर्द होता है, खासकर पेट के निचले हिस्से में चुभन वाला दर्द होता है। वैसे ये बात जानता तो हर कोई है लेकिन ज्यादातर लोग यह नहीं जानते कि बार बार किडनी स्टोन बनने से किडनी खराब होने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए किडनी को हेलदी रखने के लिए माई एक्सपर्ट डॉक्टर की संस्थापक, एमबीबीएस , एमडी (जनरल मेडिसिन) डॉ. शालिनी सिंह सालुंखे बता रही हैं कि किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

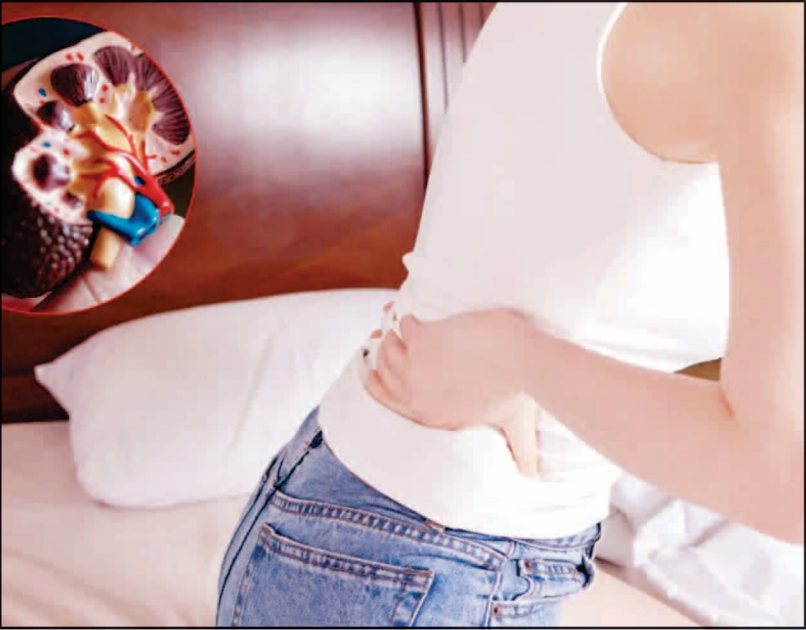
किन वजहों से होती है किडनी स्टोन की समस्या

किडनी में पथरी की समस्या अनियमित जीवनशैली , खराब खानपान और कम पानी पीने की वजह से होती है। इसके अलावा जंक फूड का सेवन, ऑक्सलेट वाले फूड्स का सेवन और डाइट में बहुत नमक का इस्तेमाल भी इसके प्रमुख कारणों में से एक है

किडनी को हेलदी रखने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो:

दूध और दही को डाइट में करें शामिल :

किडनी को हेलदी रखने के लिए अपनी डाइट में डेयरी प्रोडक्ट्स को शा मिल करें। आप एक कटोरी दूध या एक गिलास दूध का सेवन करें। इसमें मौजूद नेचुरल कैल्शियम, फूड के ऑक्सलेट को बाइंड करता है और किडनी स्टोन के रिस्क को कंट्रोल करता है।



नींबू पानी पिएं: किडनी को डिटॉक्स करने के लिए रोज सुबह एक गिलास गुनगुने पानी में नींबू निचोड़कर पिएं। नींबू ने मौजूद विटामिन सी और डिटॉक्सिफाइंग गुण किडनी में जमे वेस्टेज को यूरिन के ज़रिए फिल्टर करने में मदद करते हैं।

ऑक्सलेट रिच फूड्स न खाएं: अगर आप किडनी में पथरी की समस्या नहीं चाहते हैं तो जरूरी है कि आप अपनी डाइट का खासतौर पर ध्यान रखें। आप अपनी डाइट

में पालक, बादाम, बीटरूट, चॉकलेट, चाय और शलजम जैसे ऑक्सलेट रिच फूड्स को न शामिल करें। ये फूड्स पथरी की समस्या को और तेजी से बढ़ा सकते हैं।

हर घंटे में एक गिलास पानी पिएं: किडनी में पथरी न हो इसलिए पानी खूब पिएं हर घंटे में के गिलास पानी का सेवन करें। पानी पीने से शरीर में जमे टॉक्सिन्स आसानी से निकलते हैं जिससे पथरी की समस्या टल जाती है।

अब बारिश में नहीं चिपकेगी चीनी, बस अपनाकर देखें ये घरेलू उपाय, हर दाना रहेगा खिला खिला

बारिश का मौसम आते ही हवा में नमी इतनी बढ़ जाती है कि रसोई में रखी कई चीजें खराब होने लगती हैं। इनमें सबसे पहला नंबर आता है चीनी का। मानसून के दिनों में चीनी अक्सर सील जाती है, चिपचिपी हो जाती है और कभी-कभी तो उसमें पानी



तक छूटने लगता है। ऐसी डिब्बे में बंद चीनी में गुठलियां पड़ जाती हैं और उसे इस्तेमाल करना मुश्किल हो जाता है। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो अब चिंता की कोई बात नहीं। आपकी रसोई में ही कुछ ऐसी चीजें मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल कर आप चीनी को पूरे मानसून खराब होने से बचा सकते हैं। चलिए जानते हैं।

1. लौंग का इस्तेमाल

चीनी को नमी से बचाने का सबसे पुराना और कारगर नुस्खा है लौंग। चीनी के डिब्बे में 5 से 6 साबुत लौंग डाल दें। लौंग न सिर्फ हवा की नमी को सोख लेती है, बल्कि इसकी तेज महक के कारण चीनी में चींटियां भी नहीं लगती हैं।

2. चावल की पोटली

चावल को नेचुरल 'मॉइस्चर एब्जॉर्बर' माना जाता है। ऐसे में एक छोटे से सूती या मलमल के कपड़े में एक चम्मच कच्चे चावल बांधकर एक छोटी सी पोटली बना लें। इस पोटली को चीनी के डिब्बे के अंदर रख दें। चावल डिब्बे की सारी नमी को अपने अंदर खींच लेगा और चीनी का हर दाना बिल्कुल अलग-अलग रहेगा।

3. ब्लॉटिंग पेपर या टिशू पेपर

हेयरफाल की समस्या से मिल जाएगा छुटकारा, बसखाना शुरू कर दें ये चीजें, बाल होंगे घने

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल का सबसे ज्यादा असर हमारे बालों पर देखने को मिलता है। बाल कमजोर होकर समय से पहले झड़ने लगते हैं। हेयरफॉल और कम होता वॉल्यूम आज हर दूसरे व्यक्ति की बड़ी समस्या बन चुका है। ऐसे में लोग बालों की ग्रोथ को मंटेन करने के लिए महंगे शैम्पू, तेल और हेयर ट्रीटमेंट्स पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन कुछ खास रिजल्ट देखने को नहीं मिलता। असल में, बालों की सेहत का सीधा संबंध हमारे खान-पान से है। जब तक शरीर को अंदर से पोषण नहीं मिलेगा, तब तक बाहरी प्रोडक्ट्स काम नहीं करेंगे। अगर आप भी हेयरफॉल से परेशान हैं और अपने बालों को फिर से घना, लंबा और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो आज ही से अपनी डाइट में इन सुपरफूड्स को शामिल कर सकते हैं।

1. आंवला और खट्टे फल

आंवला बालों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें प्रचुर मात्रा में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो कोलाजन का प्रोडक्शन करते हैं और बालों को जड़ों से मजबूत बनाते हैं। इसके अलावा संतरा, नींबू और कीवी भी बालों का झड़ना रोकने में मददगार हैं।

2. पालक और हरी पत्तेदार सब्जियां

शरीर में आयरन की कमी हेयरफॉल का एक मुख्य कारण है। पालक में आयरन, विटामिन ए, सी और फोलेट भरपूर मात्रा में पाया



जाता है। यह स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को सुधाराता है, जिससे बालों की ग्रोथ तेजी से होती है।

3. अंडे और डेयरी प्रोडक्ट्स

हमारे बाल 'केराटिन' नाम के प्रोटीन से बने होते हैं। इसलिए डाइट में प्रोटीन का होना बेहद जरूरी है। अंडा प्रोटीन और बायोटिन का सबसे बेहतरीन स्रोत है। इसके अलावा दूध, पनीर और दही का सेवन भी बालों को घना बनाने में मदद करता है।

4. नट्स और सीड्स

अखरोट, बादाम, अलसी के बीज और चिया

सीड्स में ओमेगा-3 फैटी एसिड, जिंक और विटामिन ई पाया जाता है। ये बालों के रूखेपन को दूर कर स्कैल्प को हाइड्रेटेड रखते हैं, जिससे बालों का टूटना बंद होता है।

5. दालें और बीन्स

चना , राजमा, मसूर और मूंग की दाल में जिंक , आयरन और बायोटिन की अच्छी मात्रा होती है। यह बालों के सेल्स की मरम्मत करने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। इसका सेवन करने से बालों की ग्रोथ अच्छी होती है।

बारिश के मौसम में क्या है गोभी को पकाने का सही तरीका, शेफ रणवीर बरार के टिप्स को करें फालो



बरसात का मौसम आते ही बाजार में ताजी गोभी मिलने लगती है, लेकिन इसी मौसम में गोभी में कीड़े , बैक्टीरिया और गंदगी होने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में अगर गोभी को बिना अच्छी तरह साफ किए या सही तरीके से पकाए खाया जाए , तो यह पेट से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकती है। मशहूर शेफ रणवीर बरार के सुताबिक , मानसून में गोभी को पकाने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि स्वाद के साथ-साथ सेहत भी बनी रहे।

गोभी को ऐसे करें साफ

सबसे पहले गोभी के फूलों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद इन्हें हल्दी और नमक मिले गुनगुने पानी में 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। ऐसा करने से गोभी में छिपे छोटे कीड़े और गंदगी बाहर निकलने में मदद मिलती है। इसके बाद साफ पानी से अच्छी तरह धो लें।

ज्यादा देर तक न पकाएं

गोभी के अनुसार, गोभी को जरूरत से ज्यादा देर तक पकाने से उसका स्वाद, रंग और पोषक तत्व कम हो सकते हैं। इसलिए इसे

मीडियम आंच पर हल्का क्रिस्प रहने तक ही पकाएं।

तेज आंच पर करें शुरुआत

गोभी की सब्जी बनाते समय पहले कड़ाही को अच्छी तरह गर्म करें। फिर थोड़ा तेल डालकर मसालों का तड़का लगाएं और उसके बाद गोभी डालें। इससे गोभी का टेक्सचर अच्छा रहता है और वह ज्यादा पानी नहीं छोड़ती।

ढक्कर ज्यादा देर न पकाएं

गोभी को लंबे समय तक ढक्कर पकाने से वह नरम होकर गीली हो सकती है। बीच-बीच में चलाते हुए पकाएं ताकि सब्जी का स्वाद और बनावट दोनों बेहतर रहें।

मसालों का सही इस्तेमाल करें

गोभी में हल्दी, जीरा, अदरक, लहसुन और धनिया पाउडर जैसे मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाते हैं, बल्कि पाचन में भी मदद करते हैं। आखिर में हरा धनिया और थोड़ा गरम मसाला डालने से सब्जी का स्वाद और भी बढ़ जाता है।

अगर गोभी में काले धब्बे, बदबू या सड़न दिखाई दे तो उसका इस्तेमाल न करें।

शिवांगी जोशी ने पढ़ी थी कुशल टंडन संग उनकी चोट, लाक अप 2में श्रेया कालरा ने किया खुलासा

रियलिटी शो लोक अप सीजन 2की कंटेस्टेंट श्रेया कालरा ने हाल ही में एक एपिसोड में दावा किया कि एक्ट्रेस और साथी कंटेस्टेंट शिवांगी जोशी ने एक बार उनकी और एक्टर कुशल टंडन की पूरी चैट पढ़ी थी। यह तब हुआ जब कुशल ने उन्हें मैसेज किया था, जबकि वे कथित तौर पर शिवांगी को डेट कर रहे थे। लोक



अप 2के हालिया एपिसोड में, श्रेया ने साथी कंटेस्टेंट और एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे से बात करते हुए यह बात बताई। उस घटना को याद करते हुए श्रेया ने कहा कि वह शिवांगी के एक टीवी शो के लिए प्रमोशनल वीडियो की शूटिंग कर रही थीं, तभी कुशल ने सोशल मीडिया पर उनसे संपर्क किया।

श्रेया ने कहा, शूट के बाद उन्होंने मुझे मैसेज किया। उस समय मैं किसी को डेट कर रही थी। उस समय कुशल टंडन और शिवांगी जोशी के बीच कुछ चल रहा था। मुझे इसके बारे में पता नहीं था। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कुशल उन्हें मैसेज करते रहे, लेकिन वह एक कमिटेड रिलेशनशिप में थीं और उन्होंने बातचीत को आगे न बढ़ाने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगा कि बातचीत में कुछ गड़बड़ है।

उन्होंने आगे दावा किया, उन्होंने मुझसे बात करना शुरू किया। मुझे कुछ शक हुआ और मैंने बात रोक दी। फिर, शिवांगी और मैं सेट पर मिले और उन्होंने कहा, ओह हाय! हां! उन्होंने मुझे तुम्हारे बारे में बताया था कि तुमने उन्हें फॉलो किया और मैसेज किया। मैंने कहा, एक्सक्लूजिव मी! मैं किसी आदमी से संपर्क करने

भाई तेरा स्टार है का मजेदार ट्रेलर हुआ जारी, हीरो बनकर हंसाने आए राघव जुयाल

किल और बैड्स ऑफ बॉलीवुड जैसी फिल्मों में अपनी गंभीर और दमदार एक्टिंग का लोहा मनवाने के बाद राघव जुयाल अब दर्शकों को हंसाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। मेकर्स ने उनकी आगामी फिल्म भाई तेरा स्टार है का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर में राघव के किरदार अजय सिंह की एक बेहद अनोखी, अतरंगी और मजेदार दुनिया की झलक देखने को मिल रही है, जिसने फैस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता काफी बढ़ा दी है। इस बार वह एक फुल-ऑन कॉमिक एंटरटेनर के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पूरी तरह से एक पारिवारिक मनोरंजन पैकेज है। ट्रेलर की शुरुआत ही एक बेहद मजेदार डायलॉग से होती है, एक एक्टर का सबसे बड़ा टैलेंट होता है अपनी ही बकवास पर यकीन करना। इसके बाद से ही पूरे ट्रेलर में बड़े-बड़े सपने, जबरदस्त कन्फ्यूजन और पेट खोलकर हंसाने वाले सीन्स का सिलसिला शुरू हो जाता है। फिल्म में राघव जुयाल की कॉमिक टाइमिंग के साथ-साथ संजय कपूर, बरखा सिंह, निहारिका एनएम और चंदन रॉय सान्याल जैसे बेहतरीन कलाकार भी अपनी कॉमेडी से एंटरटेनमेंट का लेवल बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अपने इस नए रोल को लेकर राघव जुयाल काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि अजय सिंह का यह किरदार बहुत ज्यादा ड्रामेटिक, बेबाक और अप्रत्याशित है, जिसे निभाने में उन्हें बेहद मजा आया। वहीं फिल्म के डायरेक्टर विवेक बी अग्रवाल का कहना है कि यह फिल्म खुद को बहुत सीरियसली नहीं लेती और यही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। उन्होंने राघव की एनर्जी की तारीफ करते हुए कहा कि वे सिनेमाघरों



में दर्शकों के रिएक्शन देखने के लिए बेहद उत्सुक हैं। ट्रेलर के बारे में बात करते हुए राघव जुयाल ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूँ कि सभी लोग अजय सिंह से मिलें। वह एक ऐसा किरदार है जो नाटकीय है, अप्रत्याशित है, बेझिझक है, पूरी तरह ओवर-द-टॉप है और बेहद मनोरंजक भी। इस किरदार को निभाने में मुझे बहुत मज़ा आया और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को भी फिल्म देखते समय उतना ही आनंद आएगा, जितना हमें इसे बनाते समय आया। निर्देशक

विवेक बी अग्रवाल ने कहा, भाई तेरा स्टार है पूरी तरह मनोरंजन का जश्न है। यह फिल्म खुद को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से नहीं लेती और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। इसमें मजेदार किरदार, अप्रत्याशित मोड़ और लगातार मनोरंजन देखने को मिलेगा। राघव ने अजय सिंह के किरदार को अपनी शानदार ऊर्जा और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से जीवंत बना दिया है। हमें बेहद खुशी है कि आज ट्रेलर दर्शकों के सामने है और अब हम सभी को सिनेमाघरों में फिल्म का आनंद लेते देखने का इंतज़ार है।

रेड वेलवेट गाउन में कंगना शर्मा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल



ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैस के दिनों की धड़कनें तेज हो गई हैं।

तस्वीरों में कंगना शर्मा चमकीले लाल रंग का एक शानदार वेलवेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह एक थाई-हाई स्लिट गाउन है, जो उनके टोंड लेग्स को पूरी तरह फ्लॉन्ट कर रहा है।

गाउन का डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन कंगना के लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और सिजलिंग बना रहा है। इस फुल-स्लीव्स आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग रेड कलर का स्लिंग बैग कैरी किया हुआ है, जो उनके ओवरऑल अपीयरंस को कॉम्प्लीमेंट कर रहा है।

कंगना ने अपने इस लुक को पूरा करने के लिए बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर काफी निखर कर आ रही है। स्मोकी आइज और परफेक्ट ब्लश के साथ उनका फेशियल ग्लो देखते ही बनता है।

बालों की बात करें तो उन्होंने अपने बेबी हेयरस को साइड-पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जो उनके कंधों पर बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। गले में पहना हुआ हैवी स्टेटमेंट सिल्वर नेकपीस उनके नेकलाइन को एक रॉयल टच दे रहा है।

बाथटब में सनी लियोनी का सिजलिंग अवतार, तस्वीरों ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड की बेबी डॉल सनी लियोनी जब भी स्क्रीन या सोशल मीडिया पर आती हैं, फैस के दिनों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ ऐसी तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।

इन तस्वीरों में सनी लियोनी बाथटप में बैठकर हुक का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। सनी ने मल्टीकलर सिक्विन और क्रिस्टल वर्क वाला एक बेहद ग्लैमरस बॉडीसूट पहना हुआ है। पर्पल, पिंक, मरून और एक्वा ब्लू शेड्स के चेकर बोर्ड पैटर्न वाले इस आउटफिट में उनका टोंड फिगर साफ नजर आ रहा है।

इस सिजलिंग मोनोकिनी के साथ सनी लियोनी ने मैचिंग फिशनेट स्टॉकिन्स कैरी किए हैं, जो उनके लुक में बोल्डनेस का तड़का लगा रहा है। बाथटब में लेटकर और बैठकर दिए गए सनी के सेक्सी पोज किसी को भी दीवाना बनाने के लिए काफी

हैं। किसी तस्वीर में वह अपने हाथों को बालों में घुमाते हुए कैमरे को इंटेंस लुक दे रही हैं, तो किसी में वह अपनी आँखें बंद कर कातिलाना अदाएं बिखेर रही हैं। उनके चेहरे के एक्सप्रेसंस में कॉन्फिडेंस और सेंसुअलिटी का बेहतरीन तालमेल देखने को मिल रहा है।

लुक को कॉम्प्लीट करने के लिए सनी ने बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर खूब फव्व रही है। स्मोकी आइज, परफेक्ट कॉन्टूरिंग और न्यूड मेकअप बेस के साथ उन्होंने कानों में बड़े गोल्डन हूप इयररिंग्स पहने हैं। सनी ने अपने बालों को खुला रखा है।

सनी लियोनी की इन तस्वीरों ने यह साबित कर दिया है कि फैशन और बोल्डनेस के मामले में उनका मुकाबला करना आसान नहीं है। फैस लगातार इन तस्वीरों पर फायर और हार्ट इमोजीस की बरसात कर रहे हैं।

बचपन का अनुशासन बालीवुड में काम आया, संजना सांधी ने सुनाई संघर्ष की कहानी

अभिनेत्री संजना सांधी अपनी अपकमिंग फिल्म हिटमैन को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी जिंदगी के सफर का जिक्र करते हुए सुशिकलों का सामना करने की हिम्मत, अनुशासन और अनिश्चितताओं को अपनाने के बारे में बात की। रॉकस्टार, दिल



बेचारा और कड़क सिंह जैसी फिल्मों में काम कर चुकी इस अभिनेत्री ने उन अनुभवों के बारे में बताया।

शुरुआत को याद करते हुए संजना ने बताया कि एक्टिंग उनकी जिंदगी में अचानक आई। उन्होंने कहा, जब मैं स्कूल में डांस सीख रही थी, तो मैं सिर्फ इसलिए डांस करती थी क्योंकि मुझे यह पसंद था। मैं एनुअल फंक्शन में परफॉर्म करती थी। मैंने कभी सोचा नहीं था कि मैं एक्टिंग करूंगी। जब मैं सिर्फ 13 साल की थी, तब बॉलीवुड के एक बड़े कास्टिंग डायरेक्टर मेरे स्कूल आए और मुझे एक फिल्म में कास्ट किया। रॉकस्टार में एक्टिंग करने को लेकर उन्होंने कहा 13 साल की उम्र में, बिना किसी एक्टिंग अनुभव के भी, भारत के सबसे बड़े मेल स्टार्स में से एक के सामने खुद को मजबूती से पेश कर पाने की वजह वह मेहनत, अनुशासन और विनम्रता थी जो डांस ने मुझमें पैदा की थी। उन्होंने बताया बहुत से भारतीय माता-पिता की तरह, मेरे माता-पिता भी चाहते थे कि मैं हर चीज में बेहतर करूँ। जब मैं सात साल की थी, तो मेरे पिता चाहते थे कि मैं कथक सीखूँ, जबकि मेरी मां चाहती थीं कि मैं कंटेम्प러리 जैज सीखूँ। कोई एक न चुन पाने की वजह से, मैंने दोनों ही चीजें सीखीं और स्कूल के बाद हर दिन बारी-बारी से उनका अभ्यास करती रही। शुरू में तो यह बहुत ज्यादा दबाव जैसा लगा और मुझे इसमें मजा भी नहीं आया। लेकिन धीरे-धीरे मुझे इससे प्रेरणा हो गया और मुझे एहसास हुआ कि यह मुझे अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखा रहा है, जो आगे चलकर मुझे

ब्लैक ब्रालेट में सान्या मल्होत्रा नेढाया कहर, बोल्ड फोटोशूट ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

बॉलीवुड की दंगल गर्ल यानी सान्या मल्होत्रा अपनी बेहतरीन अदाकारी के साथ-साथ अपने कमाल के फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। अक्सर सादगी भरे अंदाज में नजर आने वाली सान्या ने इस बार अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा फोटोशूट शेयर किया है, जिसने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है।

तस्वीरों में सान्या मल्होत्रा एक बेहद खूबसूरत ब्लैक लेसी नेट ब्रालेट पहने नजर आ रही हैं, जिसे उन्होंने लो-वेस्ट ब्लैक सिल्क लॉन्ग स्कर्ट के साथ पेयर किया है। इस बोल्ड आउटफिट के साथ उन्होंने ब्लैक थ्रग भी कैरी किया है, जो उनके लुक में एक रिलेक्स और क्लासी वाइब जोड़ रहा है।

अपने इस लुक को और भी अट्रैक्टिव बनाने के लिए उन्होंने पैरों में ब्लैक कलर के थाई-हाई लेदर बूट्स पहने हैं। तस्वीरों में सा न्या मल्होत्रा एक

ब्लैक कलर के स्टाइलिश बेंच पर लेटकर और खड़े होकर बेहद सिजलिंग और सेक्सी पोज देती नजर आ रही हैं।

उनकी टोंड बॉडी और परफेक्ट एक्स इस लुक में साफ दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे फोटोशूट में सान्या ने नो-ज्वेलरी लुक अपनाया है। बिना किसी हैवी एक्सेसरीज के भी उनका नेचुरल ग्लो उभर कर आ रहा है।

सान्या के फेशियल एक्सप्रेसंस बे हद इंटेंस, सिडकिटव और कॉन्फिडेंट हैं। स्मोकी आइज और न्यूड लिपस्टिक के साथ उनका यह मेकअप लुक उनके विंटेज और बोल्ड वाइब को पूरी तरह कॉम्प्लीमेंट कर रहा है। सान्या को उनके खूबसूरत घुंघराले बालों के लिए जाना जाता है। इस फोटोशूट में भी उन्होंने अपने बालों के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की।

द इंडिया स्टोरी का एक और दमदार पोस्टर हुआ रिलीज, गुस्साई भीड़ से होगा काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े का सामना

सामाजिक मुद्दे पर आधारित कोर्टरूम ड्रामा फिल्म द इंडिया स्टोरी के निर्माताओं ने फिल्म का एक और प्रभावशाली पोस्टर जारी किया है, जिसने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है. जी स्टूडियोज़ के सहयोग से एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण की जिम्मेदारी सागर बी. शिंदे ने संभाली है. यह फिल्म 24जुलाई 2026को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी और हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दर्शकों के सामने आएगी. कीटनाशक खेती और इसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों जैसे संवेदनशील विषय को उठाने वाली यह फिल्म एक दिलचस्प कोर्टरूम ड्रामा के जरिए एक बड़े सामाजिक मुद्दे को सामने लाती है. रिलीज हुए नए पोस्टर में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े एक तनावपूर्ण और भावनात्मक स्थिति में नजर आ रहे हैं, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि फिल्म में उनके किरदार एक बड़ी सच्चाई को उजागर करने के लिए कठिन संघर्ष से गुजरते हैं. सब्जी के माहौल में सेट यह पोस्टर डर, गुस्से और विरोध की तीव्र भावना को दर्शाता है. पोस्टर में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े को एक



आक्रोशित भीड़ से घिरा हुआ दिखाया गया है, जहां गुस्साए विक्रेता उन पर उंगलियां उठा रहे हैं और सब्जियां फेंक रहे हैं. कलाकारों के चेहरे पर दिखता डर, हवा में उड़ती सब्जियां और उग्र भीड़ फिल्म में संघ सामने लाने वालों के सामने आने वाली चुनौतियों को बखूबी दर्शाते हैं. ऐसे में पोस्टर पर लिखा टैगलाइन स्लो पॉइजेंट इन प्रोसेस फिल्म के मुख्य विषयों की ओर मजबूत करता है. यह एक ऐसे छिपे खतरे की ओर भी इशारा करता है, जो धीरे-धीरे

लाखों लोगों को प्रभावित कर रहा है. इस विषय में निर्देशक चेतन डीके कहते हैं, यह पोस्टर सब बोलने की कीमत को दर्शाता है. जब किसी झूठ पर आधारित व्यवस्था को चुनौती दी जाती है, तो सबसे पहली प्रतिक्रिया अक्सर डर और गुस्से के रूप में सामने आती है. द इंडिया स्टोरी का हर फ्रेम इसी संघर्ष को दिखाने और दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करने के लिए बनाया गया है कि वे क्या खा रहे हैं और किस पर विश्वास कर रहे हैं.

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा ने नौवें दिन उड़ाए गर्दे, 50 करोड़ क्लब में एंट्री

आलिया भट्ट की फिल्म अल्फा 3जुलाई को रिलीज हुई. फिल्म को लेकर काफी बज था . फिल्म को मिक्स रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने ठीक-ठाक परफॉर्म किया. अब 9दिनों में फिल्म ने 50 करोड़ क्लब में एंट्री ले ली है.

अल्फा ने नौवें दिन 2.25 करोड़ की कमाई की . फिल्म को 2883शोज मिले और 18 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. इसी के साथ फिल्म ने 50करोड़ क्लब में एंट्री कर ली है. फिल्म ने टोटल 51.35करोड़ की कमाई कर ली है.

बता दें कि अल्फा ने 9.25करोड़ से ओपनिंग की थी. दूसरे दिन फिल्म ने 11.50 करोड़ का कलेक्शन किया. तीसरे दिन फिल्म ने 13.25करोड़ का बिजनेस किया. चौथे दिन फिल्म ने 3.85 करोड़ कमाए. पांचवें दिन फिल्म ने 4.25 करोड़ का बिजनेस किया. छठे दिन फिल्म ने 2.85 करोड़ कमाए. सातवें दिन 2.50करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म ने पहले हफ्ते में 47.45 करोड़ का कलेक्शन किया. आठवें दिन फिल्म ने 1.65 करोड़ कमाए.

फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने दुनियाभर में 85.51 करोड़ की



कमाई कर ली है. फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 24.30 करोड़ कमाए. इस फिल्म को शिव रवेल वे डायरेक्ट किया है. फिल्म को आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म में आलिया भट्ट, शरवरी वाघ, बाँबी देओल और अनिल कपूर अहम रोल में हैं. फिल्म में आलिया भट्ट लीड रोल में हैं.

फिल्म में वो एक्शन अतार में दिखी हैं. वहीं शरवरी वाघ का भी एक्शन अवतार देखने को मिला है. आलिया और शरवरी के रोल की काफी तारीफ हुई. वे वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली फीमेल लीड भूमी है. फिल्म में बाँबी देओल का रोल भी चर्चा में रहा.

रीस जेम्स ने इंग्लैंड के शानदार विश्व कप अभियान को बताया सपने जैसा सफर

मियामी (एजंसी)
फीफा वर्ल्ड कप 2026के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की भिड़ंत अर्जेंटीना से होनी है। इस मुकाबले से

खिलाफ इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले हाफ में एंड्रियास श्जेलडरप ने गोल करते हुए नॉर्वे को मैच में 1-0से आगे कर दिया था। हालांकि, इसके बाद



पहले इंग्लिश टीम के मिडफील्डर रीस जेम्स ने माना कि टीम का इस विश्व कप में अब तक का सफर सपनों के सच होने जैसा रहा है। इंग्लैंड ने क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। नॉर्वे के

जुड बेलिंगहम ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए स्कोर को 1-1से बराबर किया। इसके बाद उन्होंने अतिरिक्त समय में एक और शानदार गोल करते हुए इंग्लैंड को सेमीफाइनल का टिकट दिलाया। इंग्लैंड ने चौथी बार सेमीफाइनल में जगह

बनाई है। रीस जेम्स इस मैच में बेंच से मैदान पर उतरे थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में वह हैमस्ट्रिंग चोट से परेशान थे, लेकिन अब पूरी तरह फिट होकर टीम के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं। वह डिफेंस और मिडफील्ड दोनों में टीम को मजबूती दे रहे हैं। ‘लायंस डेन कनेक्टेड बाय ईईओ कार्यक्रम के दौरान जेम्स ने कहा, सपने ऐसे ही सच होते हैं। हर छोटा बच्चा वर्ल्ड कप में खेलने का सपना देखता है और यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। दुनिया की बेहतरीन टीमों में से एक के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना बहुत खास पल है। हम यहां पहुंचकर बहुत खुश हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बेलिंगहम के दो शानदार गोल जैसे पलों का मैच के दौरान आनंद ले पाते हैं, तो जेम्स ने कहा कि खिलाड़ियों के पास ऐसा करने का समय नहीं होता। उन्होंने कहा, मैच के दौरान आपको खुशी मनाने के लिए कुछ ही सेकंड मिलते हैं। जैसे ही मैच खत्म होता है, पूरा ध्यान अगले मुकाबले पर चला जाता है। हम पिछली जीत के बारे में ज्यादा नहीं सोचते, क्योंकि सामने नई चुनौती होती है। अब इंग्लैंड गुरुवार को अटलांटा में सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से भिड़ेगा। इस मुकाबले की विजेता टीम रविवार को होने वाले फाइनल में फ्रांस या स्पेन से भिड़ेगी। जेम्स ने कहा कि अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम और लियोनेल मेसी जैसे बड़े खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं होगा, लेकिन उनकी टीम दबाव संभालना जानती है। उन्होंने कहा, बड़े मैचों में दबाव ज्यादा होता है, लेकिन हम कई सालों से फुटबॉल खेल रहे हैं। मैदान पर खेल वही रहता है, बस इस बार जीत का इनाम बहुत बड़ा है।

इंग्लैंड के खिलाफ 5वें टी20में भी हारी टीम इंडिया, लेकिन अभिषेक शर्मा ने मैदान पर उतरते ही ख दिया इतिहास



लंदन (एजंसी)
श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20मैच में भी 56रनों से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड द्वारा दिए गए 258रनों के विशाल लक्ष्य के जवाब में टीम इंडिया निर्धारित ओवरों में महज 201रन ही बना सकी। हालांकि, इस बड़ी हार के बावजूद टीम के तूफानी सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मैदान पर कदम रखते ही एक ऐसा इतिहास रच दिया, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।अभिषेक शर्मा ने जैसे ही इंग्लैंड के खिलाफ यह मैच खेलने के लिए मैदान पर कदम रखा, उन्होंने एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह बिना किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट (वनडे या टेस्ट) में डेब्यू किए टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले दुनिया के नंबर-1 क्रिकेटर बन गए हैं। यह उनका

भारत के लिए 53वां टी20 मुकाबला था। इससे पहले यह खास रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी सैमुअल बर्डी के नाम दर्ज था, जिन्होंने किसी अन्य फॉर्मेट में खेले बिना अपने देश के लिए 52टी20मुकाबले खेले थे। बाएं हाथ के इस विस्फोटक बल्लेबाज ने भारत के लिए अभी तक वनडे या टेस्ट क्रिकेट में कदम नहीं रखा है, लेकिन सबसे छोटे फॉर्मेट में उनका बल्ला जमकर आग उगल रहा है। अभिषेक शर्मा ने अब तक खेले गए 53टी20 मुकाबलों में 32.36 की शानदार औसत और 190.36के खतरनाक स्ट्राइक रेट से 1618रन बनाए हैं। टी20अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम दो शानदार शतक भी दर्ज हैं। उनके इसी आक्रामक खेल और निरंतरता की बदौलत वह आईसीसी (ICC) की ताजा टी20रैंकिंग में भी टॉप-2बल्लेबाजों की सूची में अपना दबदबा बनाए हुए हैं।

लाईस में शतक जड़कर यास्तिका भाटिया ने खा इतिहास, बोलीं यह पल मेरे लिए खास पल है

लंदन (एजंसी)
इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच में यास्तिका भाटिया ने लॉर्ड्स



के मैदान पर रविवार को शतक लगाकर इतिहास रचा। चोट के कारण एक साल टीम से बाहर रहने वाली यास्तिका ने अपनी इस उपलब्धि को सपने के सच होने जैसा बताया है।उन्होंने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक महिला टेस्ट मैच में जब उन्होंने शतक पूरा किया, तो उन्हें अपनी वापसी के सफर की यादें और भावनाएं फिर से ताजा हो गईं। यास्तिका की 113रनों की शानदार पारी ने न केवल लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड पर उनका नाम दर्ज कराया, बल्कि उन्हें इस ऐतिहासिक मैदान पर टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बनाया।चोट के कारण जब यास्तिका लंबे समय तक खेल से दूर थीं और रिहैब कर रही थीं , उस दौरान उन्हें घरेलू वनडे वर्ल्ड कप और महिला प्रीमियर लीग(डब्ल्यूपीएल) जैसे बड़े टूर्नामेंट से भी दूर रहना पड़ा। बाएं हाथ की इस

बल्लेबाज ने माना कि ऐसे पल भी आए जब ऐसी उपलब्धि नामुमकिन लगती थी। वीसीसीआई द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर शेयर किए गए वीडियो में यास्तिका ने कहा , यह बहुत मुश्किल था। उस एक साल में मतलब मैं किसी भी बड़े टूर्नामेंट जैसे घरेलू वर्ल्ड कप और डब्ल्यूपीएल में नहीं खेल पाई। विश्व कप में खेलने का सपना हर कोई देखता है, लेकिन मैं उससे ठीक पहले चोटिल हो गई। इसके बाद महिला प्रीमियर लीग(डब्ल्यूपीएल) भी नहीं खेल पाई। वह दौर काफी मुश्किल था। हालांकि, बहुत से लोगों ने मेरा साथ दिया। टीम का साथ मिला और उस समय मेरे परिवार का सपोर्ट बहुत बड़ा था।उन्होंने आगे कहा, इसी वजह से मैं उनकी बहुत आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे उस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। अगर कोई मुझसे छह महीने पहले पूछता कि क्या मेरा नाम लॉर्ड्स के ऑनर्स बोर्ड पर होगा, अगर कोई ऐसा कहता, तो मुझे खुद यकीन नहीं होता। मैं कहतीं,आप क्या बात कर रहे हैं यह सपने जैसा लगता है। यास्तिका ने माना कि यह यादगार पारी न केवल उनके लिए व्यक्तिगत वापसी का प्रतीक थी, बल्कि देश के लिए भी गर्व का पल था। शतक पूरा करने के पल को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि शुरू में उन्होंने ज़न्न मना ने का कोई बड़ा तरीका सोचा था, लेकिन बाद में भावनाओं में बहकर उन्होंने सादा तरीका अपनाया। मैंने ज़न्न मनाने का प्लान बनाया था, लेकिन फिर सोचा, रहते देते हैं। इसे थोड़ा नॉर्मल ही रखते हैं। हालांकि , मैंने शंभे को चूमा वह मेरे लिए बहुत गर्व का पल था। मैंने सैल्यूट करने का भी सोचा था, लेकिन उस पल मैं भूल गई। मैं भारत के लिए बहुत कुछ करना चाहती हूँ, देश के लिए बहुत कुछ जीतना चाहती हूँ, और वर्ल्ड कप भी जीतना चाहती हूँ।

ICC ने सुनाया फैसला, बेन स्टोक्स वीडियो विवाद में ECB पर क्या हुई कार्रवाई

लंदन (एजंसी)
अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद(ICC) ने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ECB) को स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय सन्यास वाले विदाई भाषण का वीडियो सार्वजनिक होने के मामले में



क्लीन चिट दे दी है। इस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच पूरी करने के बाद आईसीसी ने ईसीबी को बड़ी राहत दी है। इससे पूर्व, इस वीडियो फुटेज के सामने आने के बाद यह गंभीर आरोप लगे थे कि इसके प्रसारण से क्रिकेट के भ्रष्टाचार विरोधी सख्त नियमों और प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन हुआ है। यह विवाद तब गहराया था जब आईसीसी ने ईसीबी को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया था। दरअसल, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच ट्वेंट ब्रिज के मैदान पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के दौरान ही बेन स्टोक्स द्वारा ड्रेसिंग रूम में अपने साथी खिलाड़ियों के समक्ष अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने की बेहद निजी फुटेज एक ब्रॉडकास्टिंग चैनल पर प्रसारित कर दी गई थी और साथ ही इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी अपलोड कर दिया गया था। राजनैतिक और खेल समीक्षकों के अनुसार, जिस वक्त बेन स्टोक्स का यह विदाई भाषण सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर जारी किया गया, उस समय मैदान पर मैच लाइव चल रहा था। इसी लाइव टाइमिंग के कारण यह पूरा मामला जांच के दायरे में आ गया, क्योंकि क्रिकेट के नियमों के तहत खिलाड़ियों का ड्रेसिंग रूम ‘प्लेयर्स एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया)’PMOA(का एक अत्यंत संवेदनशील और सुरक्षित हिस्सा माना जाता है

एशियन गेम्स से पहले अनिमेष कुजूर का धमाका, 100 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकार्ड

वेटजलर (एजंसी)
भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 100मीटर दौड़ में नया मुकाम हासिल किया है। ओडिशा के इस धावक ने शनिवार को प्यूमा फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स 2026मीट में पुरुषों की 100मीटर फाइनल रेस में 10.14 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला।अनिमेष विदेशी धरती पर 100मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले भारतीय एथलीट बने हैं। इसके साथ ही वह भारत की तरफ से गुरिंदरवीर सिंह के बाद 100मीटर की रेस को सबसे तेज पूरा करने वाले खिलाड़ी बने हैं। गुरिंदरवीर 100मीटर की रेस को 10.09सेकंड में पूरा कर चुके हैं और उनके नाम नेशनल रिकॉर्ड दर्ज है। अनिमेष ने प्रतियोगिता की शुरुआत भी शानदार तरीके से की थी। उन्होंने दिन में हुई 100मीटर दौड़ रेस को 10.19 सेकंड के समय के साथ जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इसके बाद फाइनल में उन्होंने अपने प्रदर्शन को और बेहतर किया और अपना पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 10.15 सेकंड का रिकॉर्ड तोड़ते हुए रेस को 10.14सेकंड में पूरा किया। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के नेशनल रिकॉर्ड धावक अनिमेष अब भारत के सबसे तेज धावकों में शामिल हो गए हैं। भारत की ओर से 100मीटर की रेस को सबसे कम समय में पूरा करने वाली लिस्ट में अनिमेष के तीन प्रदर्शन शा मिल हैं। गुरिंदरवीर सिंह के 10.09सेकंड के रिकॉर्ड के बाद अनिमेष का 10.14 सेकंड , 10.15 सेकंड और 10.18सेकंड का समय शामिल है। अनिमेष की 100मीटर में सफलता उनके लगातार सुधार का नतीजा है। जून में इंटर-स्टेट नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने एशियन गेम्स के लिए 200मीटर स्पर्धा में क्वालीफाई किया था।



उन्होंने उस रेस को 20.74सेकंड में पूरा किया था, जो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के 20.88 सेकंड के क्वालीफाईंग मानक से बेहतर था। क्वालिफाईंग मार्क आसानी से हासिल करने के बावजूद अनिमेष ने माना कि वह टाइमिंग से खुश नहीं थे। उन्होंने कहा कि क्वालिफिकेशन ही उनका एकमात्र लक्ष्य था। रेस के बाद उन्होंने कहा,‘सच कहूँ तो, मैं यहां टाइमिंग के लिए नहीं था। मेरा लक्ष्य आइडिया एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन मार्क हासिल करना था। अब जब मैंने इसे हासिल कर लिया है, तो मैं एशियन गेम्स से पहले बेहतर करने पर फोकस करूंगा।’ 200मीटर में अनिमेष का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 20.32सेकंड है, जो भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। हाल के समय में उन्होंने 100 मीटर में भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने दो बार इस स्पर्धा में भारतीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। हालांकि बाद में गुरिंदरवीर सिंह ने 10.09 सेकंड के समय के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड अपने नाम किया था।

यह उपलब्धि जीवन भर याद रहेगी, रवि शास्त्री नेयास्तिका-क्रांति की जमकर सराहना की

नई दिल्ली (एजंसी)
भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और हेड कोच रह चुके रवि शास्त्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी यास्तिका भाटिया और क्रांति गौड़ की जमकर तारीफ की है। लॉर्ड्स के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट में यास्तिका और क्रांति का प्रदर्शन शानदार रहा है। यास्तिका ने रविवार को बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए शतकीय पारी खेली। वह लॉर्ड्स में शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। इससे पहले, भारत की ओर से गेंदबाजी में क्रांति गौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 5 विकेट चटकाए और वह यह गौरव हासिल करने वाली दुनिया की पहली महिला गेंदबाज बनीं। इन दोनों खिलाड़ियों का नाम प्रतिष्ठित लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर दर्ज हो गया है।रवि शास्त्री ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यास्तिका और क्रांति की तारीफ करते हुए लिखा, ‘यास्तिका , क्रांति आपने कमाल कर दिया। ‘होम ऑफ क्रिकेट के ऑनर्स बोर्ड पर आपका स्वागत है। यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे आप जीवन भर संजोकर रखेंगी। यह हर उस भारतीय महिला क्रिकेटर के लिए प्रेरणा जो ऐसा करने का सपना देखती है। टेस्ट के दूसरे दिन, क्रांति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और इंग्लैंड की टीम को 170रन पर समेट दिया, जिससे भारत को पहली पारी के आधार पर 115रनों की अहम बढ़त हासिल हुई। इसके



साथ ही वह लॉर्ड्स के प्रतिष्ठित टेस्ट ऑनर्स बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराने वाली खेल के इतिहास की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं।वह टेस्ट मैच में पांच विकेट लेने वाली केवल तीसरी भारतीय महिला तेज गेंदबाज बनीं और इस खास सूची में झूलन गोस्वामी और गार्गी बनर्जी के साथ शामिल हुईं। 2006में टॉनटन में इंग्लैंड के खिलाफ दोनों पारियों में पांच-पांच विकेट लेने वाली गोस्वामी के बाद, टेस्ट क्रिकेट में किसी भारतीय महिला तेज गेंदबाज द्वारा पांच विकेट लेने का यह पहला कारनामा है।

टेस्ट के तीसरे दिन यास्तिका भाटिया ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। यास्तिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 158 रेंदों में 113रनों की लाजवाब पारी खेली। यास्तिका ने अपनी इस पारी में 14चौके लगाए। वह लॉर्ड्स में शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनीं। बाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने 145रेंदों में शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद भावुक यास्तिका ने घुटनों के बल बैठकर लॉर्ड्स की पिच को चूमा, जबकि दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया।

मेसी की चुनौती के लिए तैयार इंग्लैंड, पूर्व खिलाड़ी जो कोल ने जताया जीत का भरोसा

वाशिंगटन (एजंसी)
इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर जो कोल का मानना है कि फीफा वर्ल्ड कप 2026के सेमीफाइनल

दोनों टीमों में अब तक पांच बार आमने-सामने आ चुकी है। इनमें 1962,1966,1986, 1998 और 2002 के मुकाबले शामिल हैं।



में इंग्लैंड की टीम अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी को रोकने में सफल रहेगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला अटलांटा स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम 21साल में पहली बार अर्जेंटीना के खिलाफ मैदान पर उतरेगी। इंग्लैंड और अर्जेंटीना की फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता काफी पुरानी है। वर्ल्ड कप में

जापान में हुई पिछली भिड़ंत में इंग्लैंड ने डेविड बेकहम की पेनल्टी के दम पर अर्जेंटीना को हराया था। अर्जेंटीना मौजूदा विश्व चैंपियन है। टीम ने 2022में कतर में वर्ल्ड कप खिताब जीता था। यह अर्जेंटीना का तीसरा विश्व कप खिताब था और 36साल बाद टीम को विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल हुआ था।

हालांकि , जो कोल का मानना है कि इंग्लैंड की मजबूत आक्रमण क्षमता अर्जेंटीना के सामने बड़ी चुनौती साबित होगी। जो कोल ने‘द रेस्ट डज फुटबॉल’ पांडेकास्ट में कहा, हमें लियोनेल मेसी को रोकना होगा , और हम ऐसा करने में सफल होंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि इंग्लैंड के खिलाड़ी इस बड़े मुकाबले के दबाव को संभाल सकते हैं। अर्जेंटीना भी इंग्लैंड की तरह एक्स्ट्रा टाइम में जीत हासिल कर सेमीफाइनल तक पहुंचा है। क्वार्टर फाइनल में उसका मुकाबला स्विट्जरलैंड से था। 90 मिनट के खेल के बाद दोनों टीमों 1-1 से बराबरी पर थीं। इसके बाद जूलियन अल्बारेज ने अर्जेंटीना के लिए दूसरा गोल किया , जबकि लौटारो मार्टिनेज ने तीसरा गोल करके टीम की 3-1 से जीत पक्की की थी।इससे पहले, राउंड ऑफ 16में अर्जेंटीना ने मिस्स के खिलाफ शानदार वापसी की थी। टीम एक समय 2-0 से पीछे थी, लेकिन आखिरी 13मिनट में तीन गोल करके 3-2से मुकाबले को अपने नाम कर लिया था। राउंड ऑफ 32 में भी अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती मिली थी। वर्ल्ड कप में पहली बार खेल रही केप वर्डे ने उसे एक्स्ट्रा टाइम तक संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया था। हालांकि , केप वर्डे के एक आत्मघाती गोल की मदद से अर्जेंटीना ने 3-2से जीत हासिल की थी। ग्रुप चरण में अर्जेंटीना ने अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन को हराया था। फ्रांस के साथ वह इस टूर्नामेंट की ऐसी टीम है, जिसने अब तक सभी मुकाबलों में जीत दर्ज की है।